राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार, 16 फरवरी 2026

वर्ष 14, अंक 297, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

स्वतंत्र प्रभात खबर का दमदार असरः बाजपेईपुर गांव पहुंचा जल निगम विभाग..03

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी में कुमार भास्कर बर्मा सेतु का किया उद्घाटन..04

मुंबई मेट्रो के निर्माणाधीन पुल का हिस्सा गिरने से एक की मौत, तीन घायल; जांच के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- मुंबई के मुलुंड इलाके में शनिवार, 14 फरवरी 2026 को एक बड़ा हादसा हो गया. दोपहर करीब 12:15-12:20 बजे निर्माणाधीन मेट्रो लाइन-4 (वडाला-कसारवडावली) के एलबीएस रोड स्थित हिस्से में पुल के पैरापेट (किनारे की दीवार) का लगभग 6×4 वर्ग फुट का टुकड़ा अचानक नीचे गिर गया. यह हिस्सा नीचे से गुजर रहे एक ऑटो-रिक्शा और एक निजी कार पर आ गिरा. हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए।

मृतक की पहचान रामधन यादव के रूप में हुई है, जिन्हें अस्पताल लाने पर मृत घोषित कर दिया गया. घायलों में राजकुमार इंद्रजीत यादव (45) की हालत गंभीर है और वे आईसीयू में भर्ती हैं. महेंद्र प्रताप यादव (52) और दीपा रुहिया (40) की स्थिति स्थिर बताई जा रही है. मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अनुसार, घटना पिलर नंबर P-196 के पास, राजीव (मिलन) खंड में, मुलुंड फायर स्टेशन के नजदीक हुई. प्राधिकरण ने कहा कि मेट्रो परियोजना की टीम मौके पर

पहुंची और बीएमसी व आपदा प्रबंधन विभाग के साथ मिलकर राहत व बचाव कार्य शुरू किया. घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है।

निलंबन और एफआईआर

हादसे के बाद मेट्रो-4 के कार्यकारी अभियंता सत्यजीत साल्वे को निलंबित कर दिया गया. उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने निलंबन का निर्देश देते हुए कहा, 'जन सुरक्षा से समझौता करने वाले अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा.' उन्होंने यह भी कहा कि घायलों के इलाज का पूरा खर्च एमएमआरडीए उठाएगी. मामले में मिलन रोड बिल्डटेक (जो रिलायंस अस्ताल्डी जॉइंट वेंचर की सब-कॉन्ट्रैक्टर है) के प्रबंधकों, इंजीनियरों, सुपरवाइजर और एक कर्मचारी के खिलाफ बीएनएस की धाराओं 105, 110, 324(5) और 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है. निगरानी से जुड़ी डीबी हिल एलबीजी कंपनी का भी नाम सामने आया है।

मुख्यमंत्री का आदेश और मुआवजा

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं और मृतक के परिजनों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है. एमएमआरडीए ने भी कहा है कि घायलों के इलाज का पूरा खर्च वहन किया जाएगा और प्रभावित परिवार को नीति के अनुसार आर्थिक सहायता दी जाएगी।

उच्च स्तरीय जांच समिति गठित

एमएमआरडीए ने परियोजना निदेशक (प्रोजेक्ट्स) बसवराज एम. भद्रगोंड की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय जांच समिति बनाई है. समिति से प्राथमिकता के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है. अतिरिक्त महानगरीय आयुक्त अश्विन मुदगल ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर वायरल कुछ तस्वीरें किसी अन्य स्थान की हैं और वर्तमान हादसा क्र196 के पास हुआ है. फिर भी, पूरी पारदर्शिता के लिए इस पहलू की भी जांच की जाएगी. एहतियातन संबंधित हिस्से में निर्माण कार्य अस्थायी रूप से रोक दिया गया है. प्राथमिक जांच के आधार पर एमएमआरडीए ने ठेकेदार आरएजेवी मिलान इंफ्रा पर 5 करोड़ रुपये और डीबी इंजीनियरिंग एंड कंसल्टिंग, हिल इंटरनेशनल इंक तथा लुई बर्जर कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड के कंसोर्टियम पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है. आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट के बाद की जाएगी।

विपक्ष की प्रतिक्रिया

विपक्ष के नेता और शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े करती हैं और इसे शर्मनाक बताया।

अयोध्या का रेलवे स्टेशन भाजपा के 'भ्रष्ट मॉडल' का उदाहरण - अखिलेश का सरकार पर तंज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- कन्नौज में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कन्नौज रेलवे स्टेशन को गोरखपुर रेलवे स्टेशन की तर्ज पर विकसित करने की सरकार की योजना को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज कसा है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से तंज कसते हुए कहा कि अयोध्या में जो रेलवे स्टेशन बनाया गया, वह भाजपा के 'भ्रष्ट मॉडल' का उदाहरण है। रविवार को अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को चाहिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि बनते ही गिर जाने वाली पानी की टंकी थोड़ी दूर बनाई जाए, छत ऐसी हो कि नीचे खड़े लोगों को छतरी न लगानी पड़े और एप्रोच रोड की परत न उखड़े। उन्होंने यह भी कहा कि लिफ्ट और एस्केलेटर लगाए जाएं तो वे सही तरीके से काम भी करें। सपा अध्यक्ष ने कमीशनखोरी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता होनी चाहिए और यात्रियों के लिए वेटिंग एरिया वास्तव में सुविधाजनक बनाया जाए, क्योंकि कई बार ट्रेनों में लंबी देरी होती है। उन्होंने पार्किंग व्यवस्था और शौचालयों की स्थिति सुधारने

की भी मांग की। अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि ठेकेदार स्थानीय होना चाहिए, ताकि जिम्मेदारी तय की जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गौरतलब है कि अयोध्या रेलवे स्टेशन परिसर में एक दीवार गिरने की घटना सामने आई थी, जिसके बाद निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठे थे। जिसको लेकर प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की फैक्ट चेक इकाई ने नव-उद्घाटित अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर चारदीवारी गिरने की सोशल मीडिया पर चल रही खबरों का खंडन किया था। पीआईबी के अनुसार, गिरी हुई दीवार नए स्टेशन के ढांचे का हिस्सा नहीं थी, बल्कि पुराने स्टेशन क्षेत्र की थी। पीआईबी ने स्पष्ट किया कि यह दीवार एक निजी व्यक्ति द्वारा की जा रही खुदाई और पास के एक निजी क्षेत्र में जलभराव के कारण गिरी थी।

गाजीपुर में बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में एक की दर्दनाक मौत, दो की हालत गंभीर

खानपुर (गाजीपुर)। सिधौना-बिहारीगंज सड़क पर इशोपुर के पास रविवार को दो बाइकों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में सैदपुर के दौलतनगर निवासी 30 वर्षीय धमेंद्र राम की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरी बाइक पर सवार घोघवा निवासी चचेरे भाई 45 वर्षीय राजेश वनवासी और 50 वर्षीय धर्मेंद्र वनवासी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। बताया गया कि धर्मेंद्र राम बभनौली गांव में राजमिस्त्री का कार्य कर सिधौना बाजार से बिहारीगंज की ओर अपने घर लौट रहे थे। वहीं दूसरी बाइक पर सवार दोनों भाई रामपुर से सिधौना बाजार की ओर तेज रफ्तार में जा रहे थे। सड़क खाली होने के बावजूद दोनों बाइकों की आमने-सामने इतनी जोरदार टक्कर हुई कि बाइक के पहिये टूट गए और टायर तक फट गए। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तीनों बाइक सवार बिना हेलमेट के तेज गति से वाहन चला रहे थे। सिधौना चौकी इंचार्ज कमलभूषण राय ने घायलों को सैदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। वहां से डाक्टरों ने दोनों की हालत गंभीर देख वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। इधर, मौत की खबर मिलते ही मृतक के स्वजन भागे-भागे सिधौना पहुंच और शव को देखकर रोने-बिलखने लगे।

संक्षिप्त ख़बरें

सरकारी डॉक्टरों से मारपीट मामले में बड़ा एक्शन, दो खिलाफ केस दर्ज

भदोही- जिले के गोपीगंज थाना क्षेत्र में एक सरकारी अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) और चिकित्साधिकारी के साथ मारपीट और गाली गलौज करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। गोपीगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) शैलेश कुमार राय ने बताया कि डॉक्टर असलम अंसारी और डॉक्टर अमित सिंह तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के दस कर्मियों की शिकायत पर शनिवार देर शाम शिवांश पांडेय और अरविन्द पांडेय के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। उन्होंने तहरीर के हवाले से कहा कि शनिवार दोपहर असलम अंसारी और अमित सिंह ओपीडी में मरीज़ों को देख रहे थे तभी गोपीगंज थाने के भवानी पुर निवासी शिवांश और अरविन्द सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ओपीडी कक्ष में घुसे और दोनों डॉक्टरों के साथ गाली गलौज करते हुए हाथापाई करने लगे। पुलिस ने बताया कि इस घटना से वहां भारी अफरा तफरी फ़ैल गई और मरीज़ चले गए। करीब आधे घंटे तक सरकारी काम में बाधा पैदा हुई और सभी डॉक्टरों और अन्य कर्मियों के जमा होने पर दोनों आरोपी धमकी देकर चले गए। थानेदार ने बताया मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बिहार में कांग्रेस को मिली मजबूती, कई सोशल वर्कर्रों ने थामा पार्टी का दामन

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में रविवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम एवं सचिव सह बिहार प्रभारी शाहनवाज आलम की मौजूदगी में कई प्रबुद्ध लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता लेने वालों में वरिष्ठ अधिवक्ता व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व उपाध्यक्ष सबीह महमूद, गया के समाजसेवी सनउल्लाह खान, विस्फी के समाजसेवी मिस्बाहुल होदा (अरमान) तथा केवटी के अवकाश प्राप्त शिक्षक अब्दुल वाकी शामिल रहे। इस अवसर पर राजेश राम ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस की विचारधारा देश को जोड़ने और समाज के हर वर्ग के सम्मान व अधिकार की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि युवाओं, बुद्धिजीवियों और समाजसेवियों का बढ़ता समर्थन बदलाव की चाह का संकेत है। निश्चित तौर पर कई प्रबुद्ध लोगों के कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने से संगठन को मजबूती मिलेगी। शाहनवाज आलम ने सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा और लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का आह्वान किया। नए सदस्यों ने पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

कानपुर में 'प्रैंक' के नाम पर 10 साल के बच्चे का अपहरण, 2 लाख की मांगी थी फिरौती, 5 यूट्यूबर अरेस्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के कानपुर से अपहरण का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां मासूम बच्चे की किडनैपिंग के मामले में पुलिस ने यूट्यूबरों को पकड़ा है. दरअसल, 11 फरवरी को 10 साल का एक बच्चा घर से सामान लेने के लिए निकला था. इस दौरान दो युवक उसे पकड़कर एक सुनसान इलाके में ले गए. यहां उन्होंने बच्चे को धमकाते हुए 2 लाख की फिरौती मांगी थी. हालांकि, कुछ देर बाद उन्होंने बिना पैसे लिए ही प्रैंक करने की बात कहकर उसे छोड़ दिया. जानकारी के अनुसार,बर्रा-8 के रहने वाले अमित शुक्ला प्राइवेट नौकरी करते हैं. परिवार में उनके अलावा, पत्नी प्रभाती, 10 साल का बड़ा बेटा हर्षल और छोटा बेटा यशू है. हर्षल चौथी क्लास का छात्र है. 11 फरवरी को शाम 7:30 बजे हर्षल घर के पास की दुकान पर सब्जी खरीदने के लिए गया था. इसी दौरान दो लड़के उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ केडीएमए स्कूल के पास सुनसान जगह पर ले गए।

दो लोगों ने किया था किडनैप

हर्षल ने बताया कि उन लोगों ने मुझे धमकाते हुए फोन दिया और कहा कि अपनी मां को फोन करो और 2 लाख रुपए मांगो. इसके बाद डरे-सहमे हर्षल ने मां को फोन किया और कहा कि मुझे दो लोगों ने किडनैप कर लिया है. यह लोग 2 लाख रुपए मांग रहे हैं. बेटे की किडनैपिंग की बात का पता चलते ही परिवार में कोहराम मच गया. परिवार वाले फिरौती के बारे में सोच ही रहे थे कि इसी बीच 25 मिनट बाद बच्ची की मां के फोन पर दोबारा कॉल आई।

बाद में 5 हजार की मांगी फिरौती

इसके बाद किदवई नगर में यूपी किराना स्कूल के पास 5 हजार रुपए पहुंचाने की बात कही गई. रात करीब पौने 9 बजे किडनैपर्स ने फोन किया और खुद को यूट्यूबर बताया. उन्होंने कहा कि हम लोग प्रैंक कर रहे थे. इसके बाद 9 बजे करीब हर्षल सही सलामत लौट आया. घटना को गंभीरता से लेते हुए अगले दिन हर्षल की मां ने गुजैनी थाने में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

150 से ज्यादा CCTV खंगाले

जांच में सामने आया है कि गुजैनी थाना क्षेत्र के रहने वाले ही दो बच्चों ने फिरौती मांगी थी. उनकी गिरफ्तारी के लिए दो टीमों का गठन किया गया था. घटनास्थल के आसपास करीब 150 से ज्यादा CCTV फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने 3 नाबालिग सहित 8 यूट्यूबरों को पकड़ा. पकड़े जाने के बाद सभी लोग कान पकड़कर माफी मांगने लगे और कहने लगे कि आगे से कभी भी ऐसा नहीं होगा. पुलिस की पूछताछ में उन्होंने बताया कि वह सोशल मीडिया देखकर वीडियो बनाते थे और फिर उसे इंस्टाग्राम-यूट्यूब पर पोस्ट करते थे. यह उन्होंने रियल किडनैपर बन वीडियो बनाया था. पुलिस ने नाबालिग को माफी मांगने के बाद छोड़ दिया है, जबकि पांच अन्य को गिरफ्तार किया गया है. उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अमित शाह का राहुल गांधी पर तीखा हमलाः 'झूठ बोलो, जोर से बोलो और बार-बार बोलो - यही है कांग्रेस की नई नीति

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुडुचेरी के कराईकल में आयोजित एक बड़ी जनसभा में कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने विपक्ष पर देश में 'लगातार झूठ फैलाने' का आरोप लगाते हुए कहा कि अब जनता सच्चाई समझ चुकी है। शाह ने अपने संबोधन में कहा कि कुछ नेता बार-बार एक ही बात को दोहराकर उसे सच साबित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन देश की जनता ऐसी राजनीति को पहचान चुकी है।

ट्रेड डील और FTA को लेकर पलटवार

गृह मंत्री ने विशेष रूप से फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) और अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों को लेकर उठाए जा रहे सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यूरोपियन यूनियन, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों के साथ हुए समझौतों में किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित

की गई है। उनका दावा था कि इन समझौतों से कृषि और मत्स्य क्षेत्र को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा। उन्होंने विपक्ष पर इन मुद्दों को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि तथ्यों को पढ़े बिना बयानबाजी की जा रही है।

कांग्रेस शासन पर भी साधा निशाना

सभा में शाह ने पूर्व की कांग्रेस सरकारों की नीतियों की तुलना वर्तमान सरकार से की। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले के दौर में अंतरराष्ट्रीय समझौतों में किसानों के हितों की अनदेखी की गई, जबकि मौजूदा सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया है।

2029 को लेकर बड़ा दावा

अपने भाषण में शाह ने आगामी लोकसभा चुनावों का भी जिक्र किया। उन्होंने विश्वास जताया कि 2029 में भी एनडीए गठबंधन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सत्ता में वापसी का मौका नहीं मिलेगा।

CAG रिपोर्ट का हवाला, पुडुचेरी सरकार पर आरोप

गृह मंत्री ने पुडुचेरी की पूर्व कांग्रेस सरकार और तत्कालीन मुख्यमंत्री V. Narayanasamy पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि CAG रिपोर्ट में विकास निधि के दुरुपयोग का जिक्र है। शाह का कहना था कि एनडीए के सत्ता में आने के बाद प्रशासनिक स्थिरता आई है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है।

'डबल इंजन सरकार' का रिपोर्ट कार्ड जल्द

सभा के अंत में शाह ने घोषणा की कि पुडुचेरी में मौजूदा सरकार के कार्यों का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड जल्द जनता के सामने पेश किया जाएगा। उन्होंने इसे 'डबल इंजन सरकार' की उपलब्धियों का प्रमाण बताया।

यूपी में 'साथी पोर्टल' बनेगा किसानों का सुरक्षा कवच, QR कोड से खुलेगा गुणवत्ता का राज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज सुनिश्चित कराने और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए एक बड़ा डिजिटल बदलाव करने जा रही है। प्रदेश सरकार ने आगामी अप्रैल माह से सभी बीज व्यवसाइयों के लिए 'साथी' (SATHI) पोर्टल पर संपूर्ण जानकारी अपडेट करना अनिवार्य कर दिया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बीज उत्पादन से लेकर किसान के हाथ में पहुँचने तक की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है, जिससे नकली बीजों की बिक्री और मिलावट पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

विशेष प्रशिक्षणः महाराष्ट्र और केंद्र की टीम ने सिखाए गुर

इस नई डिजिटल व्यवस्था को धरातल पर उतारने के लिए उत्तर प्रदेश कृषि विभाग ने व्यापक प्रशिक्षण अभियान चलाया है। कृषि निदेशालय में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत सरकार की तकनीकी टीम और महाराष्ट्र कृषि विभाग के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इस दौरान महाराष्ट्र की उप

निदेशक (कृषि) डॉ. प्रीति सवाईराम ने अपने राज्य में इस पोर्टल की सफलता की कहानी साझा की और बताया कि कैसे इसके विभिन्न चरणों से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है।

मास्टर ट्रेनर्स की फौजः हर जिले में मिलेगी ट्रेनिंग

अपर कृषि निदेशक (बीज एवं प्रक्षेत्र) अनिल कुमार पाठक के अनुसार, बीज उत्पादक संस्थाओं, एफपीओ (FPO) और बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों को 'मास्टर ट्रेनर' के रूप में तैयार किया गया है। ये ट्रेनर अब जिला स्तर पर थोक और फुटकर विक्रेताओं को प्रशिक्षित करेंगे। वर्तमान में लगभग 70 प्रतिशत विक्रेता पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं, जबकि शेष 30 प्रतिशत को अगले 15 दिनों के भीतर पंजीकरण पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। पंजीकरण में किसी भी समस्या के समाधान के लिए स्थानीय जिला कृषि अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

साथी पोर्टलः क्यूआर कोड से होगी गुणवत्ता की जांच

केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा विकसित 'साथी' (सीड ऑथेंटिकेशन, ट्रेसेबिलिटी एंड होलिस्टिक इन्वेंटरी) पोर्टल बीज की पूरी 'कुंडली' सामने रख देगा। इसके माध्यम से किसान बीज के पैकेट पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर बीज के स्रोत, उत्पादक एजेंसी और प्रमाणीकरण की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। यह तकनीक न केवल किसानों को धोखे से बचाएगी, बल्कि उन्हें अपनी फसल के लिए सर्वोत्तम गुणवत्ता के बीज चुनने में भी सशक्त बनाएगी।

दो चरणों में योजना का क्रियान्वयन

प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो चरणों में विभाजित किया गया था, जिसमें पहले दिन उत्पादक संस्थाओं व एफपीओ और दूसरे दिन थोक व फुटकर विक्रेताओं को शामिल किया गया। ये सभी प्रतिनिधि अब अपने-अपने जनपदों में डीलर और डिस्ट्रीब्यूटर नेटवर्क को प्रशिक्षित करेंगे, ताकि अप्रैल से समूचे प्रदेश में यह पारदर्शी प्रणाली पूरी क्षमता के साथ संचालित हो सके।

दिल्ली में 45 लाख की ठगीः निवेश के नाम पर एक्स और वॉट्सएप ग्रुप से फंसाकर लूटा; चार जालसाज गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल की टीम ने निवेश में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर ठगी करने वाले गिरोह के चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक महिला को कानूनन पाबंद किया गया है। आरोपितों ने पीड़ित को स्टाक में निवेश का लालच देकर एक्स और वॉट्सएप ग्रुप में जोड़ा और 45 लाख रुपये 15 ट्रांजैक्शन के जरिए आठ अलग-अलग बैंक अकाउंट में पैसे ट्रांसफर करा लिए और फिर एक्स और वॉट्सएप ग्रुप से निकाल दिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जीरकपुर, एसएएस नगर, पंजाब के रिशु गर्ग, जैतपुर के अमित गिरी, बीएससी ग्रेजुएट मुंडका के दीपक जून उर्फ विकास और बीएड कर चुके गुरुग्राम, हरियाणा के सुनील कुमार उर्फ यश के रूप में हुई है। इनके कब्जे से चार मोबाइल फोन, छह सिम कार्ड और कई बैंक खातों से जुड़ी अहम जानकारियां बरामद की गई हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर गिरोह में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश में जुटी है।

मोबाइल पर इंस्टाल करवाई थी फर्जी ट्रेडिंग एप्लीकेशन

उपायुक्त आदित्य गौतम के मुताबिक, एक पीड़ित से स्टाक में निवेश के बहाने मुनाफा कमाने का भरोसा देकर 45 लाख की ठगी की गई थी। पीड़ित ने शिकायत में

बताया कि जालसाजों ने उससे एक्स और वाट्सग्रुप के जरिए संपर्क किया और उससे मोबाइल पर फर्जी ट्रेडिंग एप्लीकेशन इंस्टाल करवाई।

आठ अलग-अलग अकाउंट में ट्रांसफर करवाए थे पैसे

जालसाजों ने एक महीने में 15 ट्रांजैक्शन के जरिए आठ अलग-अलग बैंक अकाउंट में पीड़ित से पैसे ट्रांसफर करवाए। जब शिकायतकर्ता ने बाद में अपना इन्वेस्टमेंट निकालने की कोशिश की तो उसे वॉट्सएप और एक्स पर जोड़े गए ग्रुप से निकाल दिया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की और संबंधित बैंकों से बैंक अकाउंट डिटेल्स और स्टेटमेंट लिए गए, जिससे पता चला कि धोखाधड़ी के पैसे को कई अलग-अलग अकाउंट्स के जरिए भेजा गया था ताकि पैसे निकाले जा सकें। जांच के दौरान, पता चला कि धोखाधड़ी की गई रकम में से चार लाख जीरकपुर, पंजाब की रेणु गर्ग के बैंक अकाउंट में जमा किए गए थे। टेक्निकल सर्विलांस की मदद से पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में छापे मारे गए और पंजाब से रेणु गर्ग को पकड़ा गया जिसने बताया कि उसका बेटा रिशु गर्ग अकाउंट ऑपरेट करता था। इसके बाद रिशु गर्ग को गिरफ्तार किया गया। उसने बताया कि उसने बीते वर्ष सितंबर-अक्टूबर के आसपास 25 हजार के बदले विकास को अकाउंट बेचा था। इसके बाद अमित उर्फ राहुल को गिरफ्तार किया गया, जिसने अकाउंट ट्रांसफर करने और कमीशन लेने की बात स्वीकारी। इसके बाद दिल्ली के कनाट प्लेस से दीपक को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर ग्रेटर नोएडा से सुनील को गिरफ्तार किया गया, जिसने बताया कि वह मैक्स नामक हैंडलर के साथ टेलीग्राम के जरिए म्यूल अकाउंट और लिंक्ड सर्विसेज के ओटीपी-बेस्ड एक्टिवेशन का इंतज़ाम करता था।

ऐसे करते थे ठगी

पूछताछ में पता चला कि सिंडिकेट ने कई राज्यों में नेटवर्क बनाकर कमीशन पर बैंक खाते खरीदे और उनसे जुड़े सिम कार्ड लेकर पूरा नियंत्रण रखा। पीड़ितों को नकली वॉट्सएप ग्रुप व एक्स हैंडल से फर्जी स्टाक टिप्स और मनगढ़ंत मुनाफे दिखाते थे। इसके बाद पीड़ितों से नकली ट्रेडिंग ऐप इंस्टाल कराकर अधिक निवेश कराते थे। रकम निकालने की कोशिश पर आरोपित संपर्क तोड़कर ऐप बंद कर देते थे।

राष्ट्र का सुनहरा भविष्य युवाशक्ति, नवयुवकों का जागरण और कर्तव्यबोध

भारत सदियों से संयम, त्याग और आध्यात्मिक चेतना की भूमि रहा है। यहाँ आत्मसंयम को ही वास्तविक शक्ति माना गया है और चरित्र को ही मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति समझा गया है। यही कारण है कि इस देश ने समय-समय पर ऐसे महान आदर्श प्रस्तुत किए, जिन्होंने न केवल भारत बल्कि सम्पूर्ण विश्व को दिशा दी। भीष्म पितामह की आजीवन ब्रह्मचर्य प्रतिज्ञा हो, भगवान महावीर का संयम और तप का संदेश हो या स्वामी विवेकानन्द का तेजस्वी व्यक्तित्व इन सबने सिद्ध किया कि सच्ची शक्ति बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि भीतर के आत्मबल में निहित होती है। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी इन आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझे, क्योंकि देश की बागडोर अब युवाओं के हाथ में है।

वर्तमान समय में युवाशक्ति अनेक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है। भोगवादी प्रवृत्तियाँ, दिखावा, कृत्रिम जीवनशैली और व्यसनों की प्रवृत्ति ने युवाओं के नैसर्गिक तेज को धूमिल कर दिया है। देर रात तक अनावश्यक मनोरंजन में डूबे रहना, असंतुलित दिनचर्या, अस्वस्थ खान-पान और फैशन की अंधी दौड़ ने उनके शरीर और मन दोनों को कमजोर किया है। जबकि एक युवा के व्यक्तित्व में ऊर्जा, उत्साह, दृढ़ निश्चय और कर्मठता का संचार होना चाहिए। राष्ट्र का भविष्य उन्हीं कंधों पर टिका होता है जिनमें सामर्थ्य, चरित्र और कर्तव्यनिष्ठा का बल हो। यदि युवा स्वयं ही शारीरिक, मानसिक और नैतिक रूप से दुर्बल हो जाएँ, तो राष्ट्र की प्रगति कैसे संभव होगी? कृत्रिमता के इस युग में मनुष्य बाहरी सजावट से अपनी वास्तविकता को ढकने का प्रयास करता है, परन्तु सच्चाई यह है कि कृत्रिम सौंदर्य कभी भी नैसर्गिक शक्ति और आत्मविश्वास का स्थान नहीं ले सकता। जिस प्रकार सूखी जड़ वाला वृक्ष ऊपर से हरा दिखाया जाए तो भी वह अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता, उसी प्रकार यदि युवा केवल बाहरी आडंबर में उलझे रहेंगे और आत्मिक विकास की ओर ध्यान नहीं देंगे, तो उनका व्यक्तित्व खोखला रह जाएगा। राष्ट्र निर्माण के लिए ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जिनकी जड़ें मजबूत हों, जिनके भीतर आत्मसंयम और आत्मविश्वास की गहरी नींव हो।

भारत की सांस्कृतिक परंपरा ने सदैव संयम, तप और साधना को महत्व दिया है। यहाँ जीवन को केवल भोग का साधन नहीं, बल्कि साधना का अवसर माना गया है। स्वामी विवेकानन्द जब विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने के लिए शिकागो गए, तब भी उन्होंने अपने संस्कारों और संयम को नहीं छोड़ा। उनके तेजस्वी व्यक्तित्व का रहस्य बाहरी आकर्षण नहीं, बल्कि भीतर की पवित्रता और आत्मबल था। यही आत्मबल युवाओं को अपनाना होगा। जब युवा अपने चरित्र को दृढ़ बनाते हैं, तब वे समाज में विश्वास और प्रेरणा के स्तंभ बनते हैं। आज देश अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, उद्योग, राजनीति और सामाजिक जीवन में नई संभावनाएँ उभर रही हैं। इन संभावनाओं को साकार करने की जिम्मेदारी युवाओं पर ही है। देश की बागडोर उनके हाथ में है, इसलिए उन्हें केवल अपने व्यक्तिगत सुख-सुविधा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानना चाहिए। देश के प्रति समर्पण केवल नारों से सिद्ध नहीं होता, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी और परिश्रम से प्रकट होता है। जब युवा अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा से करते हैं, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है। युवाओं का प्रथम कर्तव्य है कि वे स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाएं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, व्यायाम और योग से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही अध्ययन, चिंतन और सत्साहित्य के माध्यम से बुद्धि का विकास होता है। ज्ञान से ही विवेक उत्पन्न होता है और विवेक से ही सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। जब युवा विवेकशील बनेंगे, तब वे समाज को सही दिशा दे सकेंगे। दूसरा महत्वपूर्ण कर्तव्य है नैतिक मूल्यों का पालन। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, करुणा और सहयोग की भावना ही समाज को जोड़ती है। यदि युवा भ्रष्टाचार, छल और स्वार्थ से दूर रहकर आदर्श जीवन जिएँगे, तो समाज में विश्वास की नींव मजबूत होगी। राष्ट्र का निर्माण केवल सड़कों और भवनों से नहीं, बल्कि सुदृढ़ चरित्र वाले नागरिकों से होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि उनका प्रत्येक कार्य देश के भविष्य को प्रभावित करता है। तीसरा कर्तव्य है सामाजिक जागरूकता और सक्रिय भागीदारी। युवाओं को पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा प्रसार, स्वच्छता अभियान, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक समरसता जैसे कार्यों में आगे आना चाहिए। वे नई सोच और नवाचार के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। तकनीकी दक्षता और रचनात्मकता के बल पर वे विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा को ऊँचा उठा सकते हैं। जब युवा अपने कौशल और प्रतिभा को राष्ट्रहित में समर्पित करते हैं, तब देश प्रगति की नई ऊँचाइयों को छूता है। आज आवश्यकता है कि युवा कृत्रिम आकर्षणों से ऊपर उठकर वास्तविक जीवन मूल्यों को अपनाएँ। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं, बल्कि अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करना है। जब इन्द्रियाँ भोग से हटकर योग की ओर उन्मुख होती हैं, तब व्यक्ति में अद्भुत शक्ति का संचार होता है। यही शक्ति राष्ट्र निर्माण का आधार बनती है। युवाओं को चाहिए कि वे अपने भीतर आत्मगौरव और राष्ट्रगौरव की भावना को जागृत करें।

भारत का भविष्य उज्ज्वल तभी होगा जब उसकी युवा पीढ़ी जागरूक, अनुशासित और समर्पित होगी। आज का युवा यदि अपने वर्तमान को संवार ले, तो उसका कल स्वयं ही स्वर्णिम हो जाएगा। देश की प्रगति किसी एक नेता या संस्था पर निर्भर नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सामूहिक प्रयास पर आधारित है। जब प्रत्येक युवा यह संकल्प लेगा कि वह अपने जीवन को राष्ट्र के हित में उपयोग करेगा, तब भारत पुनः विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

अंततः यही कहा जा सकता है कि राष्ट्र का सुनहरा भविष्य युवाशक्ति के जागरण में निहित है। युवाओं को अपने कर्तव्यों का बोध होना चाहिए और उन्हें पूरे समर्पण के साथ निभाना चाहिए। संयम, परिश्रम, नैतिकता और देशभक्ति के आधार पर ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। आज समय की पुकार है कि युवा स्वयं को बदलें, समाज को बदलें और राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक ले जाएँ। जब युवाशक्ति जागृत होगी, तब भारत का भविष्य सचमुच स्वर्णिम बनेगा।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

सत्ता से सेवा तक का परिवर्तन नए भारत की कार्य संस्कृति का पवित्र प्रस्थान

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय का साउथ ब्लॉक से निकलकर 'सेवा तीर्थ' में स्थापित होना केवल स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि शासन की सोच और दिशा में ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है। यह परिवर्तन उस मानसिकता से मुक्ति का संकेत है, जो कभी औपनिवेशिक शासन की संरचनाओं और प्रतीकों से जुड़ी थी। अब देश का शासन उस परिसर से संचालित होगा, जिसे सेवा की भावना के साथ राष्ट्र को समर्पित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सेवा तीर्थ केवल एक नाम नहीं, बल्कि यह संकल्प है। यह संकल्प है नागरिकों की अपेक्षाओं को सर्वोपरि मानकर शासन चलाने का, यह संकल्प है प्रशासन को जनसेवा का माध्यम बनाने का।

साउथ ब्लॉक, जो कभी ब्रिटिश हुकूमत के प्रशासनिक ढांचे का प्रतीक था, स्वतंत्र भारत में भी लंबे समय तक सत्ता का केंद्र बना रहा। किंतु बदलते समय के साथ यह आवश्यक हो गया कि शासन का ढांचा भी स्वतंत्र भारत की स्वतंत्र पहचान को प्रतिबिंबित करे। सेवा तीर्थ इसी विचार का परिणाम है। यह नाम अपने आप में पवित्रता, समर्पण और उत्तरदायित्व का बोध कराता है। 'नागरिक देवो भव' का संदेश इसकी दीवारों पर अंकित है, जो इस बात को रेखांकित करता है कि अब शासन का केंद्र बिंदु जनता है, न कि सत्ता का अहंकार।

सेवा तीर्थ का उद्घाटन ऐसे समय में हुआ जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर है। नए परिसर में पहले ही दिन जिन निर्णयों पर हस्ताक्षर हुए, वे इस बात के प्रमाण हैं कि यह भवन केवल प्रशासनिक औपचारिकताओं का स्थान नहीं, बल्कि संवेदनशील और त्वरित निर्णयों का केंद्र होगा। सड़क दुर्घटना पीड़ितों को डेढ़ लाख रुपये तक कैशलेस उपचार की सुविधा देना इस सोच का उदाहरण है कि किसी नागरिक की जान इलाज के अभाव में न जाए। अस्पताल तक पहुंचाने वाले को प्रोत्साहन देना सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने का प्रयास है। महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में 'लखपति दीदी' लक्ष्य को आगे बढ़ाना भी इसी सेवा दृष्टि का हिस्सा है। लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प सेवा तीर्थ से और सशक्त रूप में आगे बढ़ेगा। यह केवल आंकड़ों का लक्ष्य नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की सामाजिक संरचना को मजबूत करने का प्रयास है। जब महिलाएं सशक्त होती हैं तो परिवार, समाज और अंततः राष्ट्र सशक्त होता है।

किसानों के लिए कृषि अवसंरचना को मजबूत करने हेतु ऋण लक्ष्य को दोगुना कर दो लाख करोड़ रुपये करना भी इस नई कार्यसंस्कृति का संकेत है। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। सेवा तीर्थ से लिए गए ऐसे निर्णय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देंगे। संपूर्ण एग्रीकल्चर वैल्यू चेन को सुदृढ़ करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है, जिससे उत्पादन, भंडारण, प्रसंस्करण और विपणन की व्यवस्था मजबूत होगी।

युवा उद्यमियों के लिए स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 को दस हजार करोड़ रुपये के कॉर्पस के साथ स्वीकृति देना भविष्य की अर्थव्यवस्था की तैयारी है। तकनीक, उन्नत विनिर्माण और नवाचार आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देकर भारत वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी स्थिति सुदृढ़ करेगा। सेवा तीर्थ से संचालित यह पहल दर्शाती है कि शासन अब केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं, बल्कि नवोन्मेष को भी समान महत्व दे रहा है।

प्रधानमंत्री ने उद्घाटन समारोह में कहा कि साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक जैसी इमारतें ब्रिटिश शासन की प्रशासनिक जरूरतों के लिए बनी थीं, जबकि सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन जैसे परिसर भारत की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए निर्मित किए गए हैं। यह कथन शासन की मानसिकता में आए परिवर्तन को स्पष्ट करता है। अब निर्णय किसी शासक की सोच को लागू करने के लिए नहीं, बल्कि 140 करोड़ नागरिकों की अपेक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए होंगे।

सेवा तीर्थ का निर्माण प्रशासनिक दक्षता की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। वर्षों से दिल्ली में विभिन्न मंत्रालय अलग-अलग इमारतों में संचालित हो रहे थे, जिन पर भारी किराया व्यय होता था। कर्मचारियों की आवाजाही में समय और संसाधनों की हानि होती थी। नए परिसर के माध्यम से इन खर्चों में कमी आएगी, समय की बचत होगी और कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। यह कदम आर्थिक अनुशासन और सुशासन का उदाहरण है।

इस परिवर्तन को व्यापक संदर्भ में देखें तो यह गुलामी की मानसिकता से मुक्ति के अभियान का हिस्सा है। पहले रेसकोर्स रोड का नाम बदलकर लोक कल्याण मार्ग किया गया, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक और पुलिस स्मारक जैसे निर्माण किए गए। इन सभी प्रयासों का उद्देश्य स्वतंत्र भारत की स्वतंत्र पहचान को स्थापित करना है। सेवा तीर्थ उसी श्रृंखला की कड़ी है, जहां नामकरण भी विचारधारा और दृष्टिकोण का द्योतक बन जाता है।

देश के विकास के साथ जुड़ता सेवा तीर्थ का नाम अपने आप में उन्नति की निशानी है। यह केवल एक भवन नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प का प्रतीक है। यहां से लिए गए निर्णय प्रशासनिक फाइलों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि करोड़ों नागरिकों के जीवन को प्रभावित करेंगे। यह स्थल शासन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और संवेदनशील बनाने की दिशा में प्रेरित करेगा।

नए भारत की पहचान केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि प्रशासनिक संस्कृति के परिवर्तन से भी बनती है। सेवा तीर्थ इस परिवर्तन का जीवंत उदाहरण है। यह सत्ता के केंद्रीकरण से सेवा के विकेंद्रीकरण की यात्रा है। यहां से उठने वाली हर पहल नागरिकों के विश्वास को मजबूत करेगी और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को गति देगी।

सेवा तीर्थ उस विचार का प्रतीक है जिसमें शासन स्वयं को जनता का सेवक मानता है। जब कार्यस्थल ही सेवा का संदेश देता हो, तो निर्णयों में संवेदनशीलता स्वाभाविक हो जाती है। विकसित भारत की कल्पना केवल योजनाओं और नीतियों में नहीं, बल्कि ऐसे ही प्रेरक प्रतीकों में भी साकार होती है। सेवा तीर्थ इस दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो आने वाले वर्षों में भारत की प्रशासनिक कार्यसंस्कृति को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

जलवायु परिवर्तन की दस्तक सिमटता वसंत और बढ़ती फरवरी की गर्मी

उत्तर भारत में इस वर्ष फरवरी का महीना अप्रत्याशित गर्मी लेकर आया है। कई शहरों में तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और लोगों को ऐसा महसूस हो रहा है मानो सर्दी के बाद सीधे मई का मौसम आ गया हो। जिस समय फागुन की मादक बयार बहती थी और दिन में हल्की गर्मी के साथ रात में ठंडक रहती थी उस समय अब तेज धूप और शुष्क हवाएं चल रही हैं। वसंत का संतुलित और सुखद स्वरूप जैसे अचानक सिमट गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार फरवरी में तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। दिल्ली एनसीआर सहित उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान दोनों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। यह स्थिति केवल एक अस्थायी बदलाव नहीं बल्कि दीर्घकालिक जलवायु प्रवृत्ति का संकेत है। वैश्विक स्तर पर पिछले वर्ष अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई और 2025 भी गर्म वर्षों में शामिल रहा। इसका प्रभाव क्षेत्रीय मौसम चक्र पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। सीधी गर्मी आने के पीछे कई कारण हैं। वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा धरती की सतह से उत्सर्जित ऊष्मा को रोक लेती है जिससे तापमान बढ़ता है। औद्योगीकरण वाहनों की बढ़ती संख्या ऊर्जा की अत्यधिक खपत और जंगलों की कटाई इस प्रवृत्ति को तेज कर रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट और डामर की अधिकता के कारण हीट आइलैंड प्रभाव उत्पन्न होता है जिससे शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक हो जाता है। सर्दियों में अपेक्षित वर्षा और हिमपात में कमी भी ठंड के प्रभाव को सीमित कर देती है और तापमान तेजी से ऊपर चला जाता है। वसंत के सिमटने का असर प्रकृति पर स्पष्ट है। पहले सरसों के खेत कई दिनों तक पीले फूलों से लहराते थे और पेड़ों पर नई कोपलें धीरे धीरे खिलती थीं। अब तेज गर्मी के कारण फसल जल्दी पक रही है और फूलों का जीवनकाल कम हो रहा है। अमलतास गुलाब और चमेली की सुगंधित उपस्थिति भी प्रभावित हो रही है। पतझड़ और नई पत्तियों के आने का क्रम असंतुलित हो गया है जिससे परागण प्रक्रिया और जैव विविधता पर प्रभाव पड़ सकता है।

कृषि क्षेत्र के लिए यह परिवर्तन चुनौतीपूर्ण है। समय से पहले तापमान बढ़ने से गेहूं जैसी रबी फसलों की उपज प्रभावित हो सकती है। मिट्टी की नमी जल्दी समाप्त होती है और सिंचाई की मांग बढ़ जाती है। यदि मार्च और अप्रैल में ही लू जैसे हालात बनते हैं तो किसानों की लागत बढ़ेगी और उत्पादन घट सकता है। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि खाद्य सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न भी है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी यह स्थिति चिंता का विषय है। यदि फरवरी में ही गर्मी बढ़ती रही तो हीटवेव का खतरा पहले उत्पन्न हो सकता है। बुजुर्ग बच्चों और श्रमिक वर्ग को अधिक सावधानी की आवश्यकता होगी। जल की कमी और बिजली की बढ़ती मांग से सामाजिक दबाव बढ़ सकता है। अस्पतालों में डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रेस के मामलों में वृद्धि की आशंका रहती है। जहां तक आगे ठंड बढ़ने की संभावना का प्रश्न है तो अल्पकाल में पश्चिमी विक्षोभ के कारण कुछ दिनों के लिए बादल और वर्षा हो सकती है जिससे तापमान में हल्की गिरावट आएगी। पश्चिमी हिमालय में वर्षा और बर्फबारी का प्रभाव मैदानी क्षेत्रों तक महसूस हो सकता है परंतु दीर्घकालिक प्रवृत्ति गर्मी की ओर झुकी हुई है। इसलिए यह मानना उचित होगा कि मौसम में अस्थिरता बनी रहेगी और वसंत की पारंपरिक अवधि छोटी होती जाएगी। निवारण के लिए बहुआयामी प्रयास आवश्यक हैं। कार्बन उत्सर्जन में कमी सबसे महत्वपूर्ण कदम है। सौर और पवन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना होगा। सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना चाहिए। वृक्षारोपण और हरित क्षेत्रों का विस्तार स्थानीय तापमान को नियंत्रित करने में सहायक होगा। जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को प्राथमिकता देनी चाहिए। नीति निर्माण में दीर्घकालिक पर्यावरणीय दृष्टिकोण अपनाना समय की मांग है। व्यक्तिगत स्तर पर भी जिम्मेदारी निभानी होगी। ऊर्जा की बचत जल का संयमित उपयोग और पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाना आवश्यक है। स्कूलों और सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से जागरूकता बढ़ानी चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां प्रकृति के संतुलन को समझ सकें।

सिमटता वसंत केवल मौसम का बदलाव नहीं बल्कि चेतावनी है कि प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में ऋतुओं की पहचान धुंधली हो सकती है। वसंत का सुकून फिर लौट सकता है यदि मानव समाज विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करे। यह समय चिंतन का भी है और संकल्प का भी ताकि भविष्य की पीढ़ियां केवल यादों में नहीं बल्कि वास्तविक अनुभव में भी वसंत की मधुरता महसूस कर सकें।

महाशिवरात्रि- शिव- शक्ति के मिलन और सृष्टि के संतुलन का उत्सव

महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं हैए बल्कि यह ब्रह्मांडीय चेतना के जागरण की वह दिव्य बेला है जब आकाश और पृथ्वी का मिलन होता है। भारतीय आध्यात्मिक संस्कृति में शिव को श्अनादिश् और श्अनंतश् माना गया हैए जिनका न कोई आरंभ है और न ही कोई अंत। फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को आने वाली यह महान रात्रि उस परम शिव तत्व के साक्षात्कार का अवसर प्रदान करती है जो संपूर्ण सृष्टि के कण.कण में व्याप्त है। सामान्यतः त्योहारों को उल्लासए रंग और बाहरी चमक.धमक से जोड़ा जाता हैए किंतु महाशिवरात्रि एक ऐसी रात्रि है जो हमें अंतर्मुखी होने का संदेश देती है। यह अंधकार पर प्रकाश की विजय नहींए बल्कि उस गहन अंधकार की आराधना है जिससे प्रकाश का जन्म होता है। शिव का अर्थ ही श्कल्याणश् है और रात्रि का अर्थ श्विश्रामश् या श्निवृत्तिश् है। इस प्रकार महाशिवरात्रि का अर्थ है वह रात्रि जो हमें आध्यात्मिक विश्राम प्रदान कर परम कल्याण के मार्ग पर अग्रसर करती है। इस महापर्व की महत्ता को समझने के लिए हमें इसके पौराणिकए आध्यात्मिकए वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आयामों को एक अखंड प्रवाह में देखना होगा।

पौराणिक गाथाओं के अनुसार महाशिवरात्रि के साथ कई अत्यंत महत्वपूर्ण प्रसंग जुड़े हुए हैं। सबसे प्रमुख कथा भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह की है। यह विवाह केवल दो सत्ताओं का मिलन नहीं हैए बल्कि यह पुरुष और प्रकृतिए वैराग्य और गृहस्थए तथा ध्यान और शक्ति के संतुलन का प्रतीक है। शिव जो परम योगी हैंए श्मशान निवासी हैं और सांसारिक मोह.माया से विरक्त हैंए वे देवी पार्वती के कठिन तप से प्रसन्न होकर उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार करते हैं। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि आध्यात्मिक मार्ग पर चलने के लिए संसार का त्याग आवश्यक नहीं हैए बल्कि संसार में रहते हुए भी अनासक्त भाव से शिव तत्व को प्राप्त किया जा सकता है। एक अन्य कथा के अनुसारए इसी रात्रि को ब्रह्मा और विष्णु के बीच श्रेष्ठता के विवाद को शांत करने के लिए शिव एक विशाल अग्नि स्तंभ यानी ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए थे। इस स्तंभ का न तो कोई छोर था और न ही कोई अंतए जो यह दर्शाता है कि ईश्वर किसी सीमा या परिभाषा में बंधा हुआ नहीं है। समुद्र मंथन की कथा भी इस रात्रि से गहराई से जुड़ी है। जब समुद्र से निकले हलाहल विष से पूरी सृष्टि जलने लगीए तब करुणावतार शिव ने उस विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष की उस प्रचंड ऊष्मा को शांत करने के लिए देवताओं और ऋषियों ने रात्रि भर जल और दुग्ध से उनका अभिषेक किया और उन्हें जागृत रखा। यही कारण है कि आज भी भक्त रात्रि भर जागकर शिव का जलाभिषेक करते हैंए जो वास्तव में समाज के कष्टों को स्वयं पर लेने की शिव की उदारता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन है।

अध्यात्म की दृष्टि से देखा जाए तो महाशिवरात्रि का महत्व श्जागरणश् में निहित है। मनुष्य का जीवन प्रायः अज्ञान की निद्रा में बीता जाता हैए जहाँ वह अपनी देह और अहंकार को ही सत्य मान बैठता है। शिवरात्रि की रात्रि वह समय है जब प्रकृति स्वयं मनुष्य की चेतना को ऊपर उठाने में सहायक होती है। योग विज्ञान के अनुसारए इस विशिष्ट रात्रि में पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध की स्थिति ऐसी होती है कि मनुष्य के शरीर के भीतर की ऊर्जा स्वाभाविक रूप से ऊपर की ओर यानी रीढ़ की हड्डी के माध्यम से मस्तिष्क ;सहस्रार चक्रद्ध की ओर प्रवाहित होने लगती है। यही कारण है कि इस रात्रि में रीढ़ की हड्डी को सीधा रखकर बैठने और जागने का विधान है। जो साधक इस रात्रि में सजग रहता हैए वह अपनी कुंडलिनी शक्ति के जागरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठा सकता है। यहाँ श्जागनेश् का अर्थ केवल आंखों को खुला रखना नहीं हैए बल्कि अपनी चेतना को विचारों और विकारों से मुक्त कर शून्य में ले जाना है। शिव स्वयं श्शून्यश् के प्रतीक हैंकृवह जो नहीं हैए वही शिव है। जब हम अपनी पहचानए अपने पदए अपने धन और अपने अहंकार को पूरी तरह विसर्जित कर देते हैंए तब हमारे भीतर शिव का प्राकट्य होता है। इसीलिए कहा गया है श्शिवो भूत्वा शिवं यजेत्श् अर्थात शिव बनकर ही शिव की पूजा की जा सकती है। महाशिवरात्रि की पूजन विधि भी अत्यंत प्रतीकात्मक और मनोवैज्ञानिक है। शिवलिंग पर चढ़ाए जाने वाले पदार्थों का गहरा अर्थ है। जल चढ़ाना मन की चंचलता को शांत करने का प्रतीक हैए जबकि दूध शुद्धता और सात्विकता का। शहद वाणी की मधुरता के लिए है और घी तेज के लिए। बिल्वपत्र के तीन दल मनुष्य के तीन गुणोंकृसत्वए रज और तमकृका प्रतिनिधित्व करते हैं। शिव को ये तीनों दल अर्पित करने का अर्थ है कि हम अपने इन तीनों गुणों को ईश्वर के चरणों में समर्पित कर रहे हैं ताकि हम गुणातीत अवस्था को प्राप्त कर सकें। धतूरा और भांग जैसे पदार्थए जिन्हें समाज सामान्यतः त्याज्य मानता हैए शिव उन्हें भी स्वीकार करते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि शिव की दृष्टि में कुछ भी अपवित्र नहीं है। वे उन सभी को शरण देते हैं जिन्हें दुनिया ठुकरा देती है। महाशिवरात्रि पर चार प्रहर की पूजा का विधान हैए जो मनुष्य के जीवन की चार अवस्थाओं और पुरुषार्थों को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। प्रत्येक प्रहर में किए जाने वाले विशिष्ट अभिषेक और मंत्रोच्चार भक्त के चित्त की परतों को साफकरते हैंए जिससे सूर्योदय तक वह एक नई ऊर्जा और स्पष्टता के साथ आत्मसात होता है।

सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर महाशिवरात्रि भारत की अखंडता और विविधता का जीवंत उदाहरण है। उत्तर में केदारनाथ और काशी विश्वनाथ से लेकर दक्षिण में रामेश्वरम तकए और पश्चिम में सोमनाथ से लेकर पूर्व में पशुपतिनाथ ;नेपालद्ध तकए पूरा भारतीय उपमहाद्वीप शिवमय हो जाता है। अलग.अलग राज्यों में इस पर्व को मनाने की अपनी विशिष्ट परंपराएँ हैं। कहीं शिव की बारात निकाली जाती है जिसमें लोग भूत.पिशाचों का वेश धारण कर नाचते हैंए जो इस बात का संदेश है कि शिव की छाया में हर प्रकार की विषमता और विचित्रता के लिए स्थान है। कहीं मंदिरों में शास्त्रीय संगीत और नृत्य के माध्यम से भगवान नटराज की स्तुति की जाती है। शिव केवल संहारक नहीं हैंए वे नृत्यए संगीतए व्याकरण और योग के आदि गुरु भी हैं। उनके डमरू से निकले चौदह महेश्वर सूत्रों से ही संस्कृत व्याकरण का जन्म हुआ। अतः यह रात्रि कला और ज्ञान के साधकों के लिए भी अत्यंत फलदायी मानी जाती है। आधुनिक समय में जब मानसिक तनाव और अवसाद एक बड़ी चुनौती बन गए हैंए तब महाशिवरात्रि का व्रत और ध्यान एक औषधि के समान कार्य करता है। उपवास शरीर को विषमुक्त ;डिटॉक्सद्ध करता हैए जबकि निरंतर मंत्र जप मन के बिखराव को रोकता है। नमः शिवाय यह पंचाक्षरी मंत्र केवल शब्दों का समूह नहीं हैए बल्कि यह पंचतत्वोंकृपृथ्वीए जलए अग्निए वायु और आकाशकृको संतुलित करने की एक ध्वनि तरंग है।

महाशिवरात्रि का दर्शन हमें वैराग्य और दायित्व के बीच संतुलन बनाना सिखाता है। शिव अपनी जटाओं में गंगा को धारण करते हैं जो पवित्रता का प्रतीक हैए मस्तक पर चंद्रमा धारण करते हैं जो शीतलता और समय का प्रतीक हैए और कंठ में विष धारण करते हैं जो सहनशीलता का प्रतीक है। उनके हाथ में त्रिशूल है जो इच्छाए ज्ञान और क्रिया शक्तियों के संतुलन का परिचायक है। यह स्वरूप हमें यह शिक्षा देता है कि एक आदर्श मनुष्य वही है जो विकट परिस्थितियों में भी अपना धैर्य न खोए और लोक कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहे। आज के भौतिकवादी युग में जहाँ गलाकाट प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ की प्रधानता हैए महाशिवरात्रि हमें श्सर्वजन हितायश् का मार्ग दिखाती है। शिव ने कभी महलों की कामना नहीं कीए वे खुले आकाश के नीचे बाघंबर ओढ़े हिमालय की चोटियों पर या श्मशान की राख में प्रसन्न रहते हैं। यह सादगी हमें सिखाती है कि सुख भौतिक वस्तुओं में नहीं बल्कि आंतरिक संतोष और आत्म.साक्षात्कार में है।

अंततः महाशिवरात्रि का यह पावन अवसर हमें आत्म.निरीक्षण की प्रेरणा देता है। यह वह समय है जब हमें अपने भीतर के कामए क्रोधए लोभए मोह और अहंकार रूपी अंधकार को पहचानना चाहिए और शिव की कृपा से उसे ज्ञान की अग्नि में भस्म कर देना चाहिए। जब तक हमारे भीतर श्स्वश् ;अहंकारद्ध जीवित हैए तब तक हम शिव के वास्तविक आनंद का अनुभव नहीं कर सकते। जैसे ही हम इस अहंकार की आहुति दे देते हैंए हम स्वयं शिव स्वरूप हो जाते हैं। महाशिवरात्रि की वह गहन काली रात वास्तव में एक अनंत संभावना की सुबह की ओर ले जाने वाली सीढ़ी है। यह हमें यह विश्वास दिलाती है कि चाहे जीवन में कितना भी बड़ा विष क्यों न आ जाएए यदि हम शिव के प्रति समर्पित हैंए तो वह विष भी अमृत में परिवर्तित हो सकता है। यह पर्व हमें शक्तिए भक्ति और मुक्ति का अद्भुत समन्वय प्रदान करता है। श्सत्यं शिवं सुंदरम्श् के इस शाश्वत मंत्र को अपने जीवन में उतारना ही इस महापर्व की सच्ची सार्थकता है। जो व्यक्ति इस रात्रि की महिमा को समझकर पूर्ण श्रद्धा के साथ इसमें डूबता हैए उसे न केवल मानसिक शांति प्राप्त होती हैए बल्कि उसे वह परम सत्य भी अनुभूत होने लगता है जो इस नश्वर संसार से परे है। हर हर महादेव का उद्घोष केवल कंठ से नहींए बल्कि आत्मा के गहरे तल से होना चाहिएए तभी इस महाशिवरात्रि पर हमारा वास्तविक पुनर्जन्म संभव है।

महेन्द्र तिवारी

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का?

बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए। तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है।

आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की 'नई गंगा' तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं।

भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है। इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या आलोचना को देशविरोध का रूप दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी।

बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है।

भारत की दृष्टि से भी यह चुनाव महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली को प्रतिक्रिया में उतावलापन नहीं, बल्कि धैर्य और कूटनीतिक परिपक्वता दिखानी होगी। पड़ोसी देश की संप्रभुता और जनादेश का सम्मान करते हुए सहयोग का हाथ बढ़ाना ही दीर्घकालिक हित में है। सीमा पार आतंकवाद, अवैध घुसपैठ और तस्करी जैसे मुद्दों पर सख्ती के साथ-साथ आर्थिक और सांस्कृतिक संवाद को भी सुदृढ़ करना होगा। संबंधों में भावनात्मकता के बजाय व्यावहारिकता और पारस्परिक सम्मान की नींव आवश्यक है।

अंततः यह चुनाव बांग्लादेश के लिए निर्णायक इसलिए है क्योंकि यह केवल सरकार बदलने का अवसर नहीं, बल्कि शासन की शैली और राष्ट्रीय दिशा तय करने का क्षण है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से मुक्त, समावेशी और विकासोन्मुखी नीति अपनाती है, तो वह बांग्लादेश को स्थिरता और समृद्धि के पथ पर अग्रसर कर सकती है। परंतु यदि वह अतीत की कटु स्मृतियों और वैचारिक आग्रहों में उलझी रही, तो जनादेश की सार्थकता संदिग्ध हो जाएगी। बांग्लादेश को अब नई संभावनाओं, नई सोच और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। यही इस चुनाव का संदेश है और यही उसकी वास्तविक परीक्षा भी।

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

दधीचेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि की तैयारियां जोरों पर

मिश्रिख (सीतापुर) मिश्रिख स्थित पौराणिक दधीचि कुंड पर अवस्थित दाधिचेश्वर महादेव मंदिर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व को लेकर व्यापक तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंदिर परिसर में रंजाई-पुताई, आकर्षक सजावट एवं साफ-सफाई का कार्य तेजी से किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को भव्य एवं दिव्य वातावरण में भगवान शिव के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो सके।मंदिर के प्रधान पुजारी राहुल शर्मा ने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर हजारों की संख्या में भक्तजन दूर-दराज से बाबा भोलेनाथ के दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। इस पर्व को बड़े ही धूमधाम, भक्ति भाव और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मनाया जाता है। विशेष पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक एवं भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी मिश्रिख पुलिस प्रशासन का भरपूर सहयोग मिल रहा है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहती है और किसी भी प्रकार का अराजक तत्व उपद्रव नहीं कर पाता। प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

यात्री ध्यान दें! 30 मार्च तक बांद्रा-गोरखपुर एक्सप्रेस समेत इन ट्रेनों का संचालन ठप, रेलवे ने कई का बदला टर्मिनल

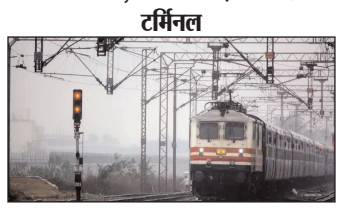

लखनऊ। गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण 30 मार्च तक उस रूट की ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। ट्रेन 22921 22921 बांद्रा - गोरखपुर एक्सप्रेस 30 मार्च तक बलरामपुर में निरस्त होगी। 22922 गोरखपुर-बांद्रा एक्सप्रेस 31 मार्च तक गोरखपुर की जगह बलरामपुर से चलेगी। 11055 एलटीटी - गोरखपुर एक्सप्रेस 31 मार्च तक गोंडा तक ही चलेगी। 11056 गोरखपुर-एलटीटी एक्सप्रेस 31 मार्च तक गोरखपुर से गोंडा के बीच निरस्त रहेगी। 20103 एलटीटी - गोरखपुर एक्सप्रेस 15 फरवरी तक आजमगढ़ और 16 फरवरी से 29 मार्च तक भटनी स्टेशन तक ही चलेगी। 20104 गोरखपुर-एलटीटी एक्सप्रेस 16 फरवरी तक आजमगढ़, 17 फरवरी से 30 मार्च तक भटनी से चलेगी। 19409 साबरमती-गोरखपुर एक्सप्रेस 29 मार्च तक थावे तक चलेगी। 19410 गोरखपुर-साबरमती एक्सप्रेस 29 मार्च तक थावे से प्रारंभ होगी। 11037 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस 27 मार्च तक बढ़नी तक संचालित होगी। 11038 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेस 28 मार्च तक बढ़नी से चलाई जाएगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सैदुन शाह, पत्नी स्वर्गीय मोहम्मद अशफाक , निवासी 2- कसबाती टोला, खैराबाद, जनपद सीतापुर, जो कि फ्लैट नंबर S D/803 Q - ब्लॉक शारदा अपार्टमेंट, सेक्टर-4, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ की स्वामिनी हूँ। उक्त फ्लैट की मूल रजिस्ट्री जिसका क्रमांक संख्या 10085 , जो कि दिनांक 28.06.2016 को हुई थी, उसका अंतिम पेज (दफा 60) इसी फ्लैट का सेल एग्रीमेंट, जो मेरे पति व ब्रजमोहन शिवहरे के मध्य दिनांक 20.03.2013 को हुआ था, जिसका क्रमांक संख्या 4158 है उसकी मूल प्रति व उक्त फ्लैट का मूल कब्जा पत्र, उपरोक्त तीनों कागज़ात वास्तव में कहीं खो गया है।

स्वतंत्र प्रभात खबर का दमदार असर: बाजपेईपुर गांव पहुंचा जल निगम विभाग

● जल जीवन मिशन के तहत 40म40 भूमि पर एन सी सी कंपनी करेगी टंकी निर्माण!

12 साल से बंद पड़ी पानी टंकी की और ग्रामीणों की समस्या को स्वतंत्र भारत ने प्रमुखता से छापा!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संदीप कुमार-फिजा

लालगंज रायबरेली। शुद्ध पेयजल की भारी किल्लत से जूझ रहा विकासखंड लालगंज की पंचायत सोंडासी का बाजपेईपुर गांव में ग्राम समूह पेयजल योजना से बनी पानी टंकी ध्वस्त होने के कारण करीब 12 साल से बंद पड़ी है जिसको लेकर ग्रामीणों के द्वारा प्रदर्शन किया गया और समस्या का समाधान न होने पर चुनाव बहिष्कार की बात कही गई थी उपरोक्त समस्या को हिंदी दैनिक अखबार स्वतंत्र प्रभात ने अपने 3 नंबर अंक में शुक्रवार 13 फरवरी को प्रमुखता से प्रकाशित किया था जिसके बाद कुंभकरणी नींद में सो रहा जल निगम विभाग के सरकारी हुक्मरान जागे और आवाम के बीच पहुंचकर समस्या से रूबरू हुए विभागीय अधिशासी अभियंता सचिन कुमार एन सीसी कंपनी हैदराबाद के इंजीनियर अनंजय कुमार, नीरज सिंह ने लेखपाल अमर बहादुर सिंह तथा ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामकुमार यादव की उपस्थित में जल जीवन मिशन के तहत ग्राम बाजपेईपुर में पानी टंकी का नवनिर्माण कराए जाने को लेकर जमीन का चयन किया गया जहां पर नवीन परती जमीन गाटा संख्या 450 रकबा करीब डेढ़ बीघा में सामुदायिक केंद्र बना हुआ है तथा उक्त रकबा में से 40 म40 भूमि जमीन में टंकी निर्माण कार्य किए जाने को लेकर प्रस्ताव बनाया गया संबंधित विभागीय अधिकारी द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया उक्त चयनित भूमि में टीडीएस की मात्रा 815 पाई गई है और पानी टंकी निर्माण उक्त भूमि में ही स्थापित किया जाएगा जो निर्माण कार्य एनसीसी कंपनी हैदराबाद के द्वारा होना सुनिश्चित हुआ है इस मौके पर राजकुमार बाजपेई, ओम नमः शिवाय, विनोद बाजपेई, महेश दीक्षित, अभिषेक शुक्ला, कोटेदार विजय बहादुर सोनकर, मनीष यादव, दुर्गेश तिवारी, आनन्द मिश्रा आसाराम नई सहित ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि विभाग द्वारा निर्माण कार्य मे तेजी लाते हुए जल्द से जल्द व्यवस्था सुलभ कराई जाए ताकि हम ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध हो सके।

महाशिवरात्रि की तैयारी पूरी बालेश्वर मंदिर का एस डी एम ने क्या निरीक्षण

● महाशिवरात्रि पर बालेश्वर मंदिर में लगता है भक्तों का तांता जनपद के साथ गैर जनपदों से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज रायबरेली। आगामी महाशिवरात्रि को लेकर तहसील क्षेत्र के ऐहार स्थित बाल्हेमऊ में सुप्रसिद्ध शिव मंदिर बाल्हेश्वर में तैयारी को लेकर उप जिलाधिकारी डलमऊ सत्येंद्र सिंह ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और मेला परिसर क्षेत्र का जायजा लेने के साथ मिली खामियों पर निर्देशित करते हुए व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि ऐहार राजेश फौजी मौजूद रहे तथा जन कल्याण समिति के महामंत्री कीर्ति मनोहर शुक्ला ने बताया की कानपुर के कलाकारों द्वारा सोमवार को श्री बाल्हेश्वर महादेव काअद्भुत श्रृंगार किया जाएगा जिसका पट अनावरण पूर्व विधायक राकेश प्रताप सिंह द्वारा किया जाएगा विधायक द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर प्रांगण में सुंदर टीन सेट लगवाया गया है साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रशांत कुमार मिश्रा महाप्रबंधक रेल कोच और उपजिलाधिकारी डलमऊ सत्येंद्र सिंह उपस्थित रहेंगे जानकारी के मुताबिक लाखों दर्शनार्थियों के आने की संभावना है पुलिस प्रशासन और कार्यकर्ताओं के सहयोग से मेला व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जाएगी

ऐतिहासिक मानता घूमता मंदिर का त्रिशूल

मंदिर के पुजारी व क्षेत्र के जानकार लोगों को मानना है कि बाल्हेश्वर महादेव मंदिर में चमत्कारिक शक्ति है उसके गुंबद का त्रिशूल सूर्य के साथ घूमता है और आने वाले भक्तों की मनौतियां पूर्ण होती हैं। मंदिर के संबंध में मंदिर कमेटी श्री बाल्हेश्वर सेवा समिति के अध्यक्ष श्री राम शंकर तिवारी ने बताया की यह परिसर हमारे पूर्वजों का था किसी समय घना जंगल था एक गाय नित्य घने जंगल में आकर अपना दूध गिरा देती थी पता लगाने पर वहां शिवलिंग पाया गया इसी स्थान पर हमारे पर बाबा श्री राम सहाय तिवारी द्वारा भव्य

मंदिर, सरोवर एवं दुर्गा मंदिर का निर्माण कराया गया तथा पुजारी एवं मालियों की व्यवस्था की गई तब से हमारे परिवार के लोग इसकी देखरेख करते आ रहे हैं धार्मिक सामाजिक लोगों को जोड़कर के श्री बाल्हेश्वर सेवा समिति का निर्माण किया गया जो मंदिर कमेटी के रूप में देखरेख करती है। मुख्य पुजारी झिलमिल महाराज ने बताया कि रविवार को प्रातः 3:00 बजे से जलाभिषेक प्रारंभ हो जाएगा तथा देर रात तक चलता रहेगा अत्यधिक भीड़ के कारण भक्त केवल जलाभिषेक ही कर पाएंगे रुद्राभिषेक आदि विशेष पूजा इस दिन नहीं हो पाएंगे।

जीआरसी पर हुआ किसान प्रदर्शनी का आयोजन,जैविक खेती को लेकर किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख (सीतापुर) मिश्रिख क्षेत्र के सेमरा भिठौली गांव में स्थित एकल ग्रामोद्योग फाउंडेशन द्वारा किसान प्रदर्शनी मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले का मुख्य उद्देश्य किसानों को शुद्ध देशी खेती एवं ऑर्गेनिक खेती की आधुनिक और लाभकारी विधियों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा प्राकृतिक खाद, बिना रसायन खेती, बीज संरक्षण तथा मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं किसानों द्वारा लगाए गए विभिन्न कृषि उत्पादों और नवाचारों की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही।

प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों को प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया, जिससे किसानों का उत्साह बढ़ा और उन्हें आगे बेहतर खेती के लिए प्रेरणा मिली।मेले में मुख्य अतिथि के रूप में दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र मिश्रा तथा मिश्रिख विधायक रामकृष्ण भार्गव उपस्थित रहे। अतिथियों ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि जैविक खेती से न केवल स्वास्थ्य सुरक्षित रहता है बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि होती है।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आनंद त्रिवेदी, उमेश चंद्र अग्रवाल अध्यक्ष चैप्टर समिति, सुधीर सिंह,नागेंद्र सिंह, सुभाष साह,अर्जुन शर्मा, विपिन वैश्य, शिवेंद्र पांडेय,रितेश पांडेय, कमलेश सिंह, नीरज वर्मा,आलोक सिंह, अंकित शुक्ला,अंकुर सिंह,संतोष गुप्ता, अकाश जी, आनंद मिश्र, अजय चन्द्र, पवन वर्मा, दुर्गा प्रसाद, राकेश अवस्थी, अर्जुन शर्मा, सुरेन्द्र सिंह, डॉ. सागर, विजय वैश्य, नागेन्द्र सिंह, शिवेंद्र पाण्डेय, शीतल पाण्डेय, कमलेश सिंह, नीरज वर्मा, आलोक सिंह, टीपी सिंह, राजकुमार सोनी, देवेंद्र नंदवंशी, मोहित शुक्ला, अनिल बंशल, हरिनाम सिंह सहित सैकड़ो किसान और ग्रामीण उपस्थित रहे।

32 कर्मचारियों की क्यों कट गई सैलरी? यूपी बोर्ड परीक्षा से पहले लखनऊ में बड़ी कार्रवाई

लखनऊ। आगामी 18 फरवरी से शुरू होने वाली यूपी बोर्ड परीक्षाओं को लेकर ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले 32 परिचारकों का एक दिन का वेतन रोक दिया गया है। इन सभी की ड्यूटी राजकीय जुबिली इंटर कालेज में परीक्षा सामग्री आदि के वितरण में लगाई गई थी।

संबंधित कालेजों के प्रधानाचार्य को इन परिचारकों को 14 व 15 फरवरी को सुबह आठ बजे राजकीय जुबिली इंटर कालेज में उपस्थित होने के लिए कहा गया था, लेकिन ये सभी 13 फरवरी को उपस्थित नहीं हुए। जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार ने इसे लापरवाही मानते हुए विभिन्न एडेड इंटर कालेजों के 32 परिचारकों का एक दिन का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोक दिया है। इनमें एपी सेन कालेज, अग्रसेन इंटर कालेज चौक, अमीरुद्दौला इंटर कालेज, आर्य कन्या इंटर कालेज, बीएन वोकेशनल इंटर कालेज सहित अन्य कालेज शामिल हैं।

थाना समाधान दिवस में 12 शिकायतें चार का मौके पर निस्तारण

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली परिसर में शनिवार को थाना समाधान दिवस आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी ने की। इस दौरान कुल 12 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें चार मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के लिए बीट दरोगा और राजस्व कर्मियों की संयुक्त टीम बनाई गई। टीमों को मौके पर जाकर जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कान्हमऊ गांव निवासी कौशल किशोर त्रिवेदी ने शिकायती पत्र देकर बताया कि उनके घर के सामने गांव की एक महिला और उसके पति ने जबरन मिट्टी का ढेर लगाकर कब्जा कर लिया है। कई बार शिकायत के बाद भी चबूतरा नहीं हटाया गया। नगर के कोरिहई मोहल्ला निवासिनी शांति दास ने मोहल्ले के सात लोगों पर जमीन कब्जाने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि समझौता हुआ था कि हल्का लेखपाल से नाम कटवा लिया जाएगा, लेकिन आरोपी मान नहीं रहे हैं। सीओ अमित सिंह, प्रभारी निरीक्षक प्रमोद सिंह व इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह मौजूद रहे।

दिल्ली में तीन दिवसीय 'गो-भक्त महिला सम्मेलन' का भव्य समापन नारी शक्ति ने लिया गो-संरक्षण का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय गोवंश रक्षण-संवर्धन परिषद (विश्व हिंदू परिषद-गोरक्षा विभाग द्वारा छतरपुर, दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय 'गो-भक्त महिला सम्मेलन' का भारी उत्साह और संकल्प के साथ समापन हुआ। समापन सत्र में संगठन के शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व और देशभर से आए प्रतिनिधियों ने भारतीय नस्ल की गायों के संरक्षण और संवर्धन में महिलाओं की अग्रणी भूमिका पर बल दिया। समापन समारोह में विहिप और गोरक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिनमें मुख्य रूप से उपस्थित रहे, श्री स्थाणुमलयन जी, केंद्रीय संयुक्त महामंत्री, विश्व हिंदू परिषद दिनेश उपाध्याय जी, राष्ट्रीय गोरक्षा प्रमुख। डॉ. गुरु प्रसाद जी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय गोवंश रक्षण एवं संवर्धन परिषद हुकुमचंद सावला जी, राष्ट्रीय संरक्षक, भारतीय गोरक्षा, डॉ. माधवी गोस्वामी जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भारतीय गोवंश रक्षण एवं संवर्धन परिषद, श्रीमती नंदिनी भोजराज जी, राष्ट्रीय गो- भक्त महिला प्रमुख कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय संयुक्त महामंत्री श्री स्थाणुमलयन जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौ और गौरी नारी दोनों पूजनीय हैं। जब मातृशक्ति गो-सेवा का बीड़ा उठाती है, तो वह कार्य निश्चित ही सिद्ध होता है। राष्ट्रीय गोरक्षा प्रमुख श्री दिनेश उपाध्याय जी ने देश के प्रत्येक जिले और प्रखंड स्तर पर गो-भक्त महिलाओं की टोलियाँ बनाने का आह्वान किया श्रीमती नंदिनी भोजराज जी ने सम्मेलन के निष्कर्ष साझा करते हुए बताया कि इन तीन दिनों में महिलाओं को गो-उत्पाद जैसे पंचगव्य धूप, खाद के निर्माण और उनके आर्थिक महत्व के बारे में प्रशिक्षित किया गया है,ताकि वे स्वावलंबी बनकर गो-सेवा कर सकें।

ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की नोएडा यूनिट ने ऑनलाइन बेटिंग ऐप के माध्यम से लोगों से ठगी करने वाले एक संगठित अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें नेपाली नागरिक भी शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों के पास से गौतमबुद्धनगर के विभिन्न स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल भेजने में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है।

एसटीएफ के अनुसार, यह गिरोह ऑनलाइन बेटिंग ऐप चलाकर लोगों को लुभाता था और उनसे ठगी करता था। आरोपियों ने कॉल सेंटर के रूप में नेटवर्क संचालित किया था, जिसमें वीपीएन और फर्जी ई-मेल आईडी का इस्तेमाल कर विदेशी नागरिकों (अमेरिका, बांग्लादेश आदि) से भी ठगी की जा रही थी। जांच में पता चला कि 23 जनवरी को गौतमबुद्धनगर के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ई-मेल प्राप्त हुए थे। इन ई-मेल की तकनीकी जांच से एसटीएफ को गिरोह तक पहुंचने में सफलता मिली। धमकी वाले ई-मेल अमेरिका से भेजे गए थे, जबकि रिकवरी मेल का लिंक बांग्लादेश से जुड़ा था। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अमीष जंग कारकी (नेपाल), अनन्त कुमार (आगरा), दिव्याशु (बिहार), साहिल कुमार (बिहार), लेखनाथ शर्मा (नेपाल) और केदारनाथ (नेपाल) के रूप में हुई है। इनके कब्जे से कुल 22 मोबाइल फोन, 04 लैपटॉप, 02 नेपाली पासपोर्ट, 01 पैन कार्ड, 02 कूटरचित आधार कार्ड, 01 नेपाली नागरिकता पहचान पत्र तथा नकद 19,500 रुपये बरामद किए गए हैं।

एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिश्र ने बताया कि यह गिरोह संगठित रूप से ठगी कर रहा था और स्कूलों को धमकी देकर दहशत फैलाने का भी प्रयास कर रहा था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है तथा आगे की जांच में और खुलासे होने की संभावना है। इस मामले में साइबर क्राइम एक्ट, भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। एसटीएफ ने लोगों से अपील की है कि ऑनलाइन बेटिंग ऐप्स से दूर रहें और किसी भी संदिग्ध ई-मेल या कॉल पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। यह कार्रवाई एसटीएफ की 'क्राइम के खिलाफ 24/7' मुहिम का हिस्सा है।

56 नए अपराधियों की खुली हिस्ट्रीशीट पुलिस करेगी निगरानी, अपराध पर लगाम लगाने की पहल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर वर्ष 2026 में महज डेढ़ महीने में अब तक आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए 56 अपराधियों को चिन्हित कर उनकी हिस्ट्रीशीट खोली गई है इन सभी हिस्ट्रीशीटर अपराधियों पर संबंधित थानों द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस के अनुसार, सूचीबद्ध अपराधियों का आपराधिक इतिहास गंभीर प्रकृति का है। इनके खिलाफ मारपीट, नकबजनी, चोरी, वाहन चोरी, लूट, अवैध शस्त्र रखने, मादक पदार्थों की तस्करी समेत अन्य संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज रहे हैं। जिले के रामकोट, सकरन, मानपुर, रेउसा, महमूदाबाद, रामपुर मथुरा, कमलापुर, पिसावां, थानगांव, बिसवां, हरगांव, मछरेहटा, मिश्रित और कोतवाली देहात सहित कई थानों में नए हिस्ट्रीशीटर चिन्हित किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रभारी निरीक्षक और थानाध्यक्षों को निर्देशित किया है कि इन अपराधियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जनपद में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत सख्त कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा बना रहे। सीतापुर पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि यदि किसी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। पुलिस का कहना है कि जनता के सहयोग से ही अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। लगातार निगरानी, समयबद्ध कार्रवाई और सख्त कानून व्यवस्था के जरिए जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है!!

लखनऊ में मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार का गला कटा, नीचे गिरने पर पत्नी और बेटी घायल

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के आदेशों के बावजूद शहर में जानलेवा मांझे पर लगाम नहीं लग पा रही है। नतीजतन, आए दिन लोग इसकी चपेट में आने से घायल हो रहे हैं। शनिवार को एक बार फिर मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार की गर्दन कट गई। बाइक पर पीछे बैठी उनकी पत्नी और चार महीने की बच्ची सड़क पर गिरने से घायल हो गई। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोटें नहीं आईं। पीड़ित ने मांझे की बिक्री और इसके इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है। हुसैनगंज निवासी मुशर्रफ मजदूरी करते हैं। मुशर्रफ ने बताया कि शनिवार की दोपहर वह बाइक से पत्नी नेहा और चार महीने की बेटी परवाह को लेकर ऐशबाग पुल पर जा रहे थे। पुल के ऊपर अचानक उनके गले में धारदार मांझा आकर फंस गया। वह कुछ समझ पाते इसके पहले ही मांझे ने गर्दन रेत दी।

खैराबाद ब्लॉक के बच्चों का भ्रमण दल पहुंचा लखनऊ के चिड़ियाघर

● आधुनिक युग में विज्ञान का बहुत महत्व है हमें अपने बच्चों को विज्ञान की ओर ले जाना होगाः- संतोष कुमार मिश्रा खंड शिक्षा अधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद, सीतापुर आज के आधुनिक युग में विज्ञान का बहुत महत्व है बच्चों को नए-नए आविष्कारों तथा नई खोज के बारे में बताना और नए-नए प्रयोग करने से बच्चों के शैक्षिक और मानसिक विकास में मदद मिलती है शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को स्वास्थ्य पर्यावरण सामाजिक और वैज्ञानिक शिक्षा प्रदान करना बहुत आवश्यक है उक्त उद्गार खैराबाद ब्लॉक के बेसिक स्कूलों के बच्चे एक्सपोजर विजिट के लिए नवाब वाजिद अली प्राणि उद्यान लखनऊ जू में उपस्थित थे, जिन्हें संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी खैराबाद संतोष कुमार मिश्रा ने कहीं इस अवसर पर ब्लॉक खैराबाद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं समस्त ए आर पी तथा शिक्षक गण उपस्थित थे ज्ञात रहे की अक्टूबर माह में ब्लॉक स्तरीय विज्ञान क्विज का आयोजन किया गया था जिसमें 101 बच्चों को चयनित किया गया था चयन प्रक्रिया में जिन बच्चों के 12 अंक तक आए थे उन्हें विजिट में ले जाने के लिए चयनित किया गया उसी क्रम में महानिदेशक बेसिक शिक्षा के आदेशानुसार संपूर्ण जनपद के ब्लॉकों से बच्चे विजिट के लिए भेजे गए खैराबाद से 100 छात्र छात्राओं ने विजिट में प्रतिभाग किया और विज्ञान एवं सामान्य जानकारी को प्राप्त किया खंड शिक्षा अधिकारी खैराबाद संतोष कुमार मिश्रा ने सभी बच्चों और शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी बच्चों के साथ टीम में जाने वाले आरपी शिवेन्द्र प्रताप सिंह, आशुतोष कुमार ,वीरेंद्र कुमार,पूनम बाजपेई, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ खैराबाद वरिष्ठ उपाध्यक्ष काज़िम हुसैन, मंत्री जहीर आलम अंसारी, प ,शशि बाला ,सुशील कुमार गुप्ता, राज कुमार, रिंकू कुमार, अज़हर फातिमा, अभिषेक मिश्रा, अनामिका पटेल,मोहम्मद फारूक,प्रमोद कुमार, विनीता शुक्ला, रमेश रस्तोगी आदि उपस्थित रहे। बच्चों को एक एक बैग और पानी बोतल नाश्ते का अच्छा सामान तथा दोपहर में लंच पैकेट दिए गए तथा बच्चों व स्टाफ को आइस क्रीम भी खिला कर आनंदित किया गया।अंत में खण्ड शिक्षाअधिकारी संतोष कुमार मिश्र ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आरजू पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव व विदाई समारोह भावुक माहौल में संपन्न

● ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मिसाल बने आयोजन में बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

सम्मान और विदाई के पलों में दिखे भावनात्मक पल

ग्रामीण अंचल में शिक्षा का उत्सव बना वार्षिकोत्सव, विदाई समारोह में छलकीं भावनाएँ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालगांव सीतापुर विकास खण्ड परसेंडी की ग्राम पंचायत नरसोही अंतर्गत लखीमपुर-सीतापुर मार्ग पर स्थित शाहमहोली गांव में संचालित आरजू पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों का विदाई समारोह बड़े ही हर्षोल्लास, गरिमा और भावनात्मक माहौल के बीच संपन्न हुआ। ग्रामीण परिवेश में आयोजित यह आयोजन शिक्षा, संस्कार और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना व स्वागत गीत से हुआ। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने नृत्य, गीत, लघु नाटिका और प्रेरणादायक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का ऐसा प्रदर्शन किया कि उपस्थित अभिभावक देर तक तालियाँ बजाने को मजबूर हो गए। बच्चों के आत्मविश्वास और मंचीय प्रस्तुति ने यह स्पष्ट कर दिया कि ग्रामीण क्षेत्र में भी प्रतिभा किसी से कम नहीं है। विद्यालय की स्थापना वर्ष 2020 में ग्रामीण क्षेत्र शाहमहोली में शिक्षा की अलख जगाने के उद्देश्य से प्रबंधक रहीस अहमद द्वारा की गई थी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि उनका उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों को अच्छे संस्कार, अनुशासन और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में अनुभवी शिक्षकों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। प्रधानाध्यापक संजय कश्यप ने विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और कहा कि परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने विदा हो रहे विद्यार्थियों को आगे की शिक्षा और जीवन यात्रा के लिए शुभकामनाएँ दीं। समारोह का सबसे भावुक क्षण तब आया जब अध्यापिका अमिता सिंह ने बच्चों के सम्मान में विदाई गीत प्रस्तुत किया। गीत सुनते ही

कई बच्चों और अभिभावकों की आँखें नम हो गईं, मानो विद्यालय एक परिवार बनकर सबको जोड़ चुका हो।

इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापक व अध्यापिकाएँ, बड़ी संख्या में अभिभावकगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सकारात्मक संदेश के साथ हुआ कि शिक्षा ही वह दीपक है जो गांव से शहर तक अंधकार को दूर कर सकता है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में नियमों के उल्लंघन अवैध रूप से चलाए जा रहें ई-रिक्शा पर लगेगा लगाम

नई दिल्ली। दिल्ली में ई रिक्शा यातायत जाम, अनियंत्रित ड्राइविंग और हादसों के कारण बड़ी मुसीबत बन गए हैं, दिल्ली में ई रिक्शा की वजह से होने वाले सड़क हादसों में कई लोगों की मौत हो चुकी है, राजधानी दिल्ली में नियमों के उल्लंघन अवैध रूप से चलाए जा रहे ई रिक्शा लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गए है।चालक के पास व्यावसायिक लाइसेंस होना जरूरी है, लेकिन बेहद कम चालकों के पास लाइसेंस है। यह भी देखा गया है कि नाबालिग ई-रिक्शा चला रहे हैं। बता दें कि दिल्ली परिवहन विभाग ने अवैध रूप से चल रहें करीब पांच हजार ई-रिक्शा जब्त किए हैं। ज्यादातर ई-रिक्शा को विभाग की ओर से नष्ट भी करा दिया गया है। वहीं राजधानी की ट्रैफिक व्यवस्था के लिए आफत बनते जा रहे हैं। मैट्रो स्टेशन,बस स्टैंड व प्रमुख चौराहों पर ई-रिक्शा का जमावड़ा इतना हो गया है कि जाम से अन्य वाहन चालकों को जुझना पड़ता है।अब इन ई-रिक्शा को व्यवस्थित करने के लिए दिल्ली सरकार नीति बनाने पर विचार कर रही है।दिल्ली की अधिकांश, प्रमुख सड़कों पर ई-रिक्शा बंद है। जिसके बाद भी ई-रिक्शा चालक रोजाना नियम तोड़ते हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की तरह से ट्रैफिक के विभिन्न नियमों के उल्लंघन पर कई ई-रिक्शा के चालान काटे गए हैं।

समाधान दिवस की बैठक आयोजित हुई

सिद्धार्थनगर, थाना त्रिलोकपुर के परिसर में शनिवार को समाधान दिवस की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता थानाध्यक्ष चंद्रकांत पांडेय की ने। जो विभिन्न प्रकार के मामले पड़े हुए थे। उसकी सुनवाई के समय सुनियोजित किया गया आपसी बातचीत के द्वारा निपटाने का काम करने के लिए विशेष ध्यान आकृष्ट करते हुए देखा गया कुछ मामलों में सीमित गठन करके भेजा गया। एक मामले आए उस मामलों को थाने पर निपटाया गया। इस मौके पर थानाध्यक्ष चंद्रकांत पांडेय, चौकी बिजोरा जय प्रकाश, उपनिरीक्षक शिव नारायण सिंह, शिवाकांत राय, तालीमुनदीन खान, गणेश कुमार, विजय कुमार, कृष्ण कुमार पाण्डेय, विशेश्वर प्रसाद, हेड कांस्टेबल इंदरजीत सिंह, एहतेशन अहमद, सागर जायसवाल, नितिन पाठक, सत्य प्रकाश यादव,राजस्व निरीक्षक मो फारुक हल्का लेखपाल पन्ना लाल यादव, संदीप राम त्रिपाठी,प्रभा कांत मौर्य, राम गोपाल श्रीवास्तव, राम कुमार तिवारी, देवी लाल गिरि, राज कुमार सिंह चौहान, सिद्धार्थ कुमार, दानिश ,विजय कुमार, शिवकुमार क्षेत्र के प्रधान राम बालक चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।

दिल्ली में 10 और 15 साल पुराने वाहन होंगे जब्त, प्रदूषण नियंत्रण के लिए बड़ा कदम

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने शनिवार को एक पब्लिक नोटिस जारी किया जिसमें कहा गया है कि सड़कों पर खड़ी या चल रही कोई भी पुरानी गाड़ी बिना किसी पहले नोटिस के स्क्रैप कर दी जाएगी।

पेट्रोल और डीजल गाड़ियों के लिए अलग-अलग नियम

इस कदम का मकसद नेशनल कैपिटल में एयर पॉल्यूशन स्टैंडर्ड्स को सख्ती से लागू करना है। 10 साल से पुरानी डीजल गाड़ियां और 15 साल से पुरानी पेट्रोल गाड़ियां पुरानी गाड़ियों की कैटेगरी में आती हैं।

अपने नोटिस में, ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने पुरानी गाड़ियों के मालिकों से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) लेने और अपनी गाड़ियों को शहर से बाहर ले जाने की रिक्वेस्ट की है। नोटिस में कहा गया है, 'दिल्ली में पब्लिक जगहों पर चल रही BS-III और कम एमिशन स्टैंडर्ड वाली पुरानी गाड़ियों को कानून के मुताबिक बिना किसी पहले नोटिस के जब्त करके स्क्रैप कर दिया जाएगा। ऐसी गाड़ियों के मालिकों को सलाह दी जाती है कि वे उन्हें एनसीआर से बाहर ले जाने से पहले एनओसी ले लें।' ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने कहा कि शहर से पुरानी गाड़ियों को हटाने के लिए जल्द ही एक नया कैंपेन शुरू किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी में कुमार भास्कर बर्मा सेतु का किया उद्घाटन

● उपरी असम के मोरान हाइवे में वायुसेना के विमान से लैंडिंग।

मोरान में निर्मित नवनिर्मित श्वस्त्र हाइवे लैंडिंग स्थल पर

रफाल,सुखोई,अर्जुन, अभिमन्यु, ए, एन 43, ए एल,एइस ने मचाया धूम।

खानपारा में बिजॉय बूथ संकल्प सभा में 30 हजारों से अधिक बुतकर्मियों को किया संबोधित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। आज असम में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई परियोजनाओं को लोकार्पित किया। लंबी समय से गुवाहाटी और उत्तर गुवाहाटी को जोड़ने वाले लगभग 3,030 करोड़ नव निर्मित पुल को कामरूप के राजा कुमार भास्कर बर्मा के नाम पर उच्चार्ग कर शुभ उद्घाटन किया। इसके अलावा गुवाहाटी में 5,450 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण होने वाले कई परियोजनाओं को शिलान्यास किया,ढ्ढुरूके नई कैंपस शामिल है। इसके बाद प्रधान मंत्री ने वायु सेना के सी वन 13 विमान से डिब्रुगढ़ जिले की मोरान बाईपास में नव निर्मित श्वस्त्र इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी, रोड में अवतरण किया । मोरान में मुख्यमंत्री हिम्मत बिस्वा शर्मा, केन्द्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने उन्हें स्वागत किया। इसके बाद वायु सेना की तरफ़ एयर चीफ़ मार्शल ए पी सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वायु सेना की प्रतीक चिन्ह है स्वागत किया।

मोरान में प्रधान मंत्री के सामने वायु सेना की तरफ के रफाल,सुखोई,अर्जुन, अभिमन्यु, ए, एन 43, ए एल,एइस की आपातकालीन अवतरण कर दिखाई गई, युद्ध एवं आपातकालीन स्थिति में वायुसेना कैसे परिस्थियों पर नियंत्रण करते हैं उसका एक एक झलक दिखाया, जिसमें युद्ध क्षेत्रों से जख्मी जवानों को उद्धार हो या बाढ़ जैसे आपदा में मदद ओर राहत सामग्री वितरण जैसे कई कारनामे दिखाई।

जिसमें वायु सेना की तरफ से राफेल, सुखोई, ए एल एइस हेलिकाप्टर भी शामिल किया गया। दूसरी ओर शाम को प्रधानमंत्री ने गुवाहाटी के खानपारा पशु चिकित्सा महाविद्यालय खेल मैदान में आयोजित बिजॉय बुत संकल्प सभा में 30 हजारों से अधिक बूथकर्मियों को किया संबोधित। जिसमें मोदी जी ने असम तथा पूर्वांचल के विकास को मुद्दे बनाकर विपक्ष को कड़ी आलोचना की, एवं असम के लोगों ने उन्हें दिया प्यार को ब्याज सहित विकास के तौर पर लौटने की भी भात की। सभा में असम के मुख्यमंत्री हिम्मत बिस्वा शर्मा, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, संसद, विधायकों सहित, असम के हर जिले से पहुंचे 30 हजारों से अधिक बूथ कार्यकर्ता शामिल हुए।

श्रीभूमि जिले के सिपाछड़ा गाँव में न्याय के लिए भटक रही बेसहारा महिला

● महिला ने न्याय के लिए जिला पुलिस अधीक्षक (SP) का ध्यान आकर्षित किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि संवाददाता: श्रीभूमि जिला के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत दुल्लभछड़ा जीपी के सिपाछड़ा गाँव की 4 नंबर वार्ड निवासी बेसहारा महिला रंजू तेली ने न्याय न मिलने का आरोप लगाते हुए मीडिया के सामने अपनी व्यथा रखी। रंजू तेली अपने दिवंगत पति गैरी शंकर तेली पिछले लगभग 70 वर्षों से सिपाछड़ा गाँव में रह रही हैं। उनका आरोप है कि गाँव के ही कुछ लोगों–दीप नारायण गोयाला, टिंकू मालाह और निर्मल तेली–द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार और मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। इस संबंध में उन्होंने गत 17 जनवरी को राताबाड़ी थाना में प्राथमिकी (FIR) दर्ज कराई थी। महिला ने बताया कि उन्होंने दुल्लभछड़ा ग्राम पंचायत की अध्यक्ष देव कुमार कुर्मी से भी न्याय की गुहार लगाई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। रंजू तेली के अनुसार, गत 12 फरवरी को विरोधियों के उकसावे पर रमाशंकर तेली के परिवार के सदस्यों ने उनके घर के एक हिस्से से लगभग 150 कीमती सुपारी और अन्य पेड़ों को धारदार हथियारों से काटकर अपने घर ले गए। हथियारों के भय के कारण वह उन्हें रोक नहीं सकीं। इसके बाद उन्होंने पुनः राताबाड़ी थाने में एफआईआर दर्ज कराई। हालांकि उनका आरोप है कि अब तक पुलिस प्रशासन या ग्राम पंचायत की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। महिला ने बताया कि गत 20 अप्रैल 2021 को भी उक्त भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया गया था, लेकिन उस समय पुलिस हस्तक्षेप के कारण आरोपियों को पीछे हटना पड़ा था। उनके पास उस एफआईआर की प्रति भी मौजूद है। ग्रामीणों की प्रतिक्रिया में बुजुर्ग महिला ने बताया कि रंजू तेली का परिवार लंबे समय से उस भूमि पर रह रहा है और उसका उपयोग करता आ रहा है। वहीं, ग्राम पंचायत अध्यक्ष देव कुमार कुर्मी ने मीडिया को बताया कि उन्होंने दोनों पक्षों को आपसी समझौते से विवाद सुलझाने की सलाह दी थी, लेकिन संबंधित पक्षों ने उस पर ध्यान नहीं दिया। इस विषय में पीड़ित महिला ने न्याय के लिए जिला पुलिस अधीक्षक (SP) का ध्यान आकर्षित किया, ताकि जल्द से जल्द न्याय मिल सके।

सामूहिक विवाह समारोह में 267 जोड़ों ने थामा एक- दूजे का हाथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शनिवार को बीएसए ग्राउंड में सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान 267 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। कार्यक्रम में डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल, कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन सहित कई जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। कुल 358 पंजीकृत जोड़ों में से 267 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। इनमें 195 हिंदू, 55 बौद्ध और 31 मुस्लिम जोड़े शामिल थे। मुस्लिम समुदाय के 16 जोड़ों का निकाह हुआ, जबकि 15 जोड़े अनुपस्थित रहे। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन के नेतृत्व में कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। उन्होंने सभी व्यवस्थाओं की निगरानी की, ताकि नवविवाहित जोड़ों और उनके परिवारों को कोई असुविधा न हो।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक वधू के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से 60 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त 25 हजार रुपये की गृहस्थी सामग्री और 15 हजार रुपये बारात स्वागत पर खर्च किए गए हैं।

सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि सामूहिक विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए लाभकारी है। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक 6060 जोड़ों का विवाह इस योजना के तहत कराया जा चुका है। सांसद ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए रोजगार के अवसर प्रदान करने की भी घोषणा की,सभी विवाह उनके संबंधित धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराए गए। हिंदू जोड़ों का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार से, मुस्लिम जोड़ों का निकाह मौलाना द्वारा और बौद्ध अनुयायियों का विवाह उनकी परंपरा के अनुसार हुआ। इस आयोजन में नौगढ़, बर्डपुर, उस्का बाजार, लोटन, जोगिया, शोहरतगढ़ और बढ़नी विकास खंडों के साथ-साथ नगर पंचायत क्षेत्रों के जोड़े भी शामिल हुए।

बलिया में रिश्तों का कत्ल: पत्नी के उकसावे में बेटे ने पिता को उतारा मौत के घाट, दो भाई भी घायल

● बलिया में पत्नी के उकसाने पर बेटे ने पिता की चाकू मारकर हत्या, बचाने आए दो भाई घायल; 24 घंटे में दंपती गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। भगवानपुर में पारिवारिक कलह ने खूनी रूप ले लिया। आरोप है कि पत्नी के उकसाने पर बेटे ने अपने ही पिता की चाकू मारकर हत्या कर दी। बीच-बचाव करने आए दो भाइयों पर भी हमला कर उन्हें घायल कर दिया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी बेटे और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया तथा घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया। मृतक की पहचान लालजी यादव के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें सीएचसी सोनबरसा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हमले में घायल उनके बेटे राकेश यादव और गोविंद यादव को जिला चिकित्सालय बलिया रेफर किया गया है।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पत्नी चिंता देवी की तहरीर पर मामला दर्ज किया गया। शिकायत में आरोप है कि उनके पुत्र मुकेश यादव ने अपनी पत्नी पुष्पा देवी के उकसावे में आकर पारिवारिक विवाद के दौरान चाकू से हमला किया। शनिवार को दोकटी थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सोनिया मोड़ से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को संबंधित धाराओं में न्यायालय भेज दिया है। मामले की आगे की विधिक कार्रवाई जारी।

पुरानी रंजिश में महिला से मारपीट, दिल्ली के शाहबाद डेयरी से दो गिरफ्तार; बीच रास्ते में रोककर की थी पिटाई

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को शाहबाद डेयरी इलाके में एक अखाड़े के पास हुई झड़प के बाद दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। यह घटना 12 फरवरी को हुई थी, जिसमें एक 24 वर्षीय महिला को कथित तौर पर बीच रास्ते में रोककर उसकी पिटाई की गई थी। पुलिस के अनुसार, अब तक की जांच में कोई सांप्रदायिक एंगिल सामने नहीं आया है। यह एक ही मोहल्ले में रहने वाले पड़ोसियों के बीच हुई झड़प थी। 12 फरवरी को शाहबाद डेयरी पुलिस थाने में झड़प की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई थी। दिल्ली पुलिस ने बताया कि घायल को पहले ही एमवी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया था। अस्पताल में घायल का एमएलसी (मेडिको-लीगल सर्टिफिकेट) तैयार किया गया, जिसमें चोटों को शारीरिक हमले के रूप में दर्ज किया गया। अस्पताल में शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार, 24 वर्षीय शिकायतकर्ता शाहबाद डेयरी की निवासी है। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि 12 फरवरी को लगभग 6:30 बजे अखाड़े के पास झड़प हुई थी।

करोलबाग में सड़क पानी और जन सुविधा कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन विधायक विषेश रवि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली, करोलबाग विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिली है। आम आदमी पार्टी के क्षेत्रीय विधायक विषय रवि के द्वारा क्षेत्र के पहाड़ गंज वार्डों में तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। मंटोला में पीने का पानी पहुंचाने के लिए ऑनलाइन बूस्टर, प्रकाश मौहल्ला संगाताराशन, व रत्न गली मंटोला में सड़क निर्माण, और बसंत रोड एवं आराकाशा रोड में जन सुविधा काम्प्लेक्स के पुनर्निर्माण कार्य शामिल हैं। अब स्थानीय निवासियों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलेगी।यह कार्य पानी की समस्या को हल करने और जल आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए किया गया है। वहीं लम्बे समय से जर्जर सड़क और गड्ढों की समस्या से परेशान स्थानीय निवासियों ने नई सड़क के बनने पर संतोष व्यक्त किया। लोगो का कहना है कि इस सड़क के निर्माण से आवागमन सुगम होगा और दुर्घटनाओं की आशांका भी कम होगी। और साथ ही विधायक विषेश रवि ने स्थानीय निवासियों के लिए एक नए और आधुनिक जन सुविधा कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया है यह सुविधा आम जनता को एक ही धत के नीचे कई प्रशासनिक सेवाएं प्रदान करेंगी। इसका उद्देश्य क्षेत्र में सुविधाओं को आधुनिक,कुशल और सुलभ बनाना है जो सरकारी कामकाज में तेजी लाएगा।यह सेवा स्थानीय निवासियों के लिए एक बड़ी राहत है, क्योंकि अब उन्हें अपनी फ़ाइलों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर विभागिये, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

इलाज के नाम पर लापरवाही का आरोप: इंजेक्शन के बाद बिगड़ी महिला की हालत, पति ने डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर की मांग की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल जिले के बुढार क्षेत्र में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान कथित लापरवाही का मामला सामने आया है। बुढार वार्ड क्रमांक 8 निवासी मनोहर लाल जगवानी ने थाना बुढार में लिखित शिकायत देकर डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि डॉक्टर की लापरवाही और अभद्र व्यवहार के कारण उनकी पत्नी की हालत और बिगड़ गई, जिससे परिवार को भारी मानसिक और शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ी।

शिकायत के अनुसार, 11 फरवरी 2026 की शाम करीब साढ़े सात बजे मनोहर लाल अपनी पत्नी बबिता जगवानी को इलाज के लिए बुढार स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। उनके साथ बड़ा बेटा सतीश जगवानी और बहू नीता जगवानी भी मौजूद थे। मनोहर लाल का कहना है कि उनकी पत्नी को चक्कर आ रहे थे, इसलिए वे तत्काल डॉक्टर पियूष कुमार सिंह से इलाज कराने पहुंचे।

आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टर के सहायक ने पहले बीपी और तापमान की जांच की, फिर पर्ची बनाकर फीस जमा करवाई गई। इसके बाद डॉक्टर ने बिना मरीज की पूरी समस्या सुने और बिना किसी जांच के भर्ती करने की बात कही। मनोहर लाल का कहना है कि उन्होंने डॉक्टर से निवेदन किया कि उनका घर पास में ही है और वे अगले दिन सुबह पत्नी को दोबारा जांच के लिए ले आएंगे, इसलिए अभी भर्ती न किया जाए।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस बात पर डॉक्टर भड़क गए और आवेदक से अभद्र व्यवहार करने लगे। इसके बाद डॉक्टर ने ईसीजी, ब्लड टेस्ट और एक्स-रे के लिए भेज दिया। आरोप है कि रिपोर्ट आने से पहले ही डॉक्टर ने महिला को तीन इंजेक्शन लगा दिए, जिससे उनकी हालत और खराब हो गई। मनोहर लाल के अनुसार, इंजेक्शन लगने के बाद उनकी पत्नी को ज्यादा चक्कर आने लगे और आंखों के सामने धुंधलापन छा गया। जब इस स्थिति की जानकारी डॉक्टर को दी गई तो शिकायतकर्ता का आरोप है कि डॉक्टर ने नाराज होकर कहा कि 'जब मरने लगते हो तभी अस्पताल लेकर आते हो' और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि डॉक्टर ने मरीज को उसी हालत में बिना उचित इलाज के अस्पताल से जाने को कह दिया।

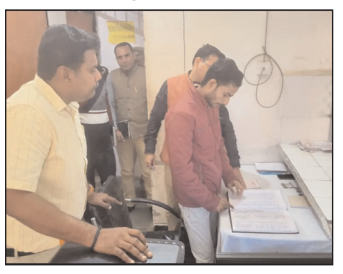

मनोहर लाल का कहना है कि डॉक्टर के इस व्यवहार और लापरवाही के कारण

उनकी पत्नी की हालत और गंभीर हो गई। इसके बाद अगले दिन सुबह वे पत्नी को शहडोल लेकर गए, जहां दूसरे डॉक्टर से इलाज कराया गया। शिकायत के अनुसार, इंजेक्शन के कारण आज तक उनकी पत्नी की आंखों में तकलीफ बनी हुई है और वह साफ देख नहीं पा रही हैं।

आवेदक ने पुलिस से मांग की है कि डॉक्टर पियूष कुमार सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी अन्य मरीज के साथ इस प्रकार की घटना न हो। उन्होंने डॉक्टर पर लापरवाही और जानबूझकर अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है। फिलहाल, इस मामले में पुलिस द्वारा क्या कार्रवाई की गई है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। यदि आरोपों की पुष्टि होती है तो यह मामला निजी अस्पतालों में इलाज की व्यवस्था और मरीजों के साथ व्यवहार पर गंभीर सवाल खड़े कर सकता है।

डीएम ने सीएचसी में अव्यवस्थाएं देख एएनएम को दिया नोटिस मरीजों से लिया फीडबैक, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता परखने और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजागणपति आर. ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोंदलामऊ का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल की कार्यप्रणाली का बारीकी से जायजा लेते हुए कई अहम निर्देश जारी किए। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने इमरजेंसी वार्ड, भर्ती वार्ड, महिला वार्ड, लेबर रूम, पैथोलॉजी, नेत्र सुरक्षा केंद्र, किचेन सहित अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. धीरज मिश्रा से चिकित्सकों व स्टाफ की उपस्थिति, उपलब्ध सुविधाओं और मरीजों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाए। साथ ही अस्पताल में आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता, अवस्थापना सुविधाओं में सुधार और सभी स्थानों पर समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने डिलीवरी रजिस्टर की विस्तार से जांच की और निर्देश दिए कि बेडशीट नियमित रूप से बदली जाए, सभी अधिकारी व कर्मचारी निर्धारित यूनिफॉर्म में रहें तथा डिलीवरी से संबंधित पूरा विवरण रजिस्टर में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए उन्होंने यह भी कहा कि जन्म पंजीकरण प्रमाण-पत्र डिस्चार्ज के समय ही परिजनों को उपलब्ध कराया जाए। भर्ती मरीजों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन और नाश्ता दिए जाने, फैमिली प्लानिंग के मामलों में प्रभावी कार्यवाही तथा डिलीवरी के बाद समुचित काउंसलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिए। फार्मेसी में जाकर उन्होंने दवाओं के रख-रखाव, कोल्ड चेन और अभिलेखों का निरीक्षण किया और मानकों के अनुरूप व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। मातृ सुरक्षा केंद्र में निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने रजिस्टर का अवलोकन किया और एक मरीज से दूरभाष पर बात कर फीडबैक लिया। वैक्सीनेशन में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित एएनएम को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। समग्र रूप से अस्पताल की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को देखते हुए जिलाधिकारी ने संतोष व्यक्त किया!!

ताले में कैद मानसरोवर: गेट फांदकर मंदिर पहुंच रहे श्रद्धालु

पुरातत्व विभाग ने बंद किए प्रवेश द्वार, हादसे का खतरा बढ़ा

तालबेहट। ऐतिहासिक भारतगढ़ दुर्ग के भीतर स्थित मानसरोवर झील तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को अब अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ रही है। मु य प्रवेश द्वारों पर ताले लगने के कारण लोग गेट फांदकर या खतरनाक ढलान चढ़कर अंदर जाने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों ओर के बड़े दरवाजों पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा ताले लगा दिए गए हैं। पहले प्रतिदिन सैकड़ों लोग सुबह-शाम झील किनारे टहलने, स्नान-ध्यान करने और मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए आते थे, लेकिन बीते कुछ महीनों से प्रवेश बंद होने के कारण स्थिति गंभीर हो गई है। ग्राउंड पर देखा गया कि श्रद्धालु लोहे के गेट पर चढ़कर अंदर प्रवेश कर रहे हैं, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगरवासियों का कहना है कि विधायक, सांसद और विभागीय अधिकारियों से कई बार सुबह-शाम निर्धारित समय पर गेट खोलने की मांग की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। लोगों ने प्रशासन से जल्द सुरक्षित प्रवेश व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि आस्था और जनसुरक्षा दोनों बनी रह सकें।

रसड़ा में शराब दुकान के पास युवक की हत्या: पुरानी रंजिश में चाकू से गोदा, ग्रामीणों ने किया चक्का जाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रसड़ा/बलिया। रसड़ा कोतवाली क्षेत्र में शनिवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब देशी शराब की दुकान के पास एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना संवरा चट्टी की है, जहां वारदात के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बलिया-मऊ राजधानी मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। मृतक की पहचान गुरगुजपुर निवासी 40 वर्षीय सत्यप्रकाश के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह संवरा चट्टी पर एक ठेले के पास खड़ा था, तभी कुछ लोगों से उसका विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और बदमाशों ने सत्यप्रकाश के पेट में चाकू घोंप दिया।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल सत्यप्रकाश को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रसड़ा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के भाई ओमप्रकाश ने संवरा गांव के तीन नामजद व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पुलिस तहरीर के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

घटना से नाराज ग्रामीणों ने लगभग दो घंटे तक बलिया-मऊ मार्ग जाम रखा, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन बाधित रहा। सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार शुक्ला,

उपजिलाधिकारी रवि कुमार, क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार गुप्ता और प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र बहादुर सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।